ड्राईव न्यूज़ इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, दिल्ली से प्रकाशित

मज़बूत इरादे...बढ़ते कदम

DCP Licensing No. F2 (D-3) Press/2021 | राष्ट्रीय संस्करण | 12 अक्टूबर, 2021 | वर्षः 01 अंकः 50 पृष्ठः 08 मूल्यः 05/- | http://www.drivenewsindia.com

जीवन दर्शन

सत्य कभी ऐसे कारण को क्षति नहीं पहुंचाता जो उचित हो।

- महात्मा गाँधी

उपायुक्त ने पराली प्रबंधन के लिए किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे मशीनों का किया सत्यापन

अम्बाला

उपायुक्त विक्रम सिंह ने पराली प्रबंधन के लिए किसानों को उपलब्ध करवाए जा रहे व्यक्तिगत व कस्टम हायरिंग सेंटर के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन के कार्य का आज पुलिस लाईन, ग्राउड, अंबाला शहर में जाकर निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने किसानों से बातचीत भी की और भौतिक सत्यापन के कार्य में किसी प्रकार की कोई दिक्कत तो नहीं आ रही, इस बारे भी जानकारी ली। किसानों ने इस विषय के तहत पटवारियों की न मिलने की समस्या बारे उपायुक्त को अवगत करवाया। उपायुक्त ने किसानों को कहा कि जिस क्षेत्र के पटवारी की उन्हें दिक्कत आ रही है उसका नाम व सर्कल सहायक कृषि अभियंता के माध्यम से उन्हें उपलब्ध करवाएं। उनकी इस समस्या का तुरंत समाधान किया जायेगा। उपायुक्त ने कृषि यंत्रों के भौतिक सत्यापन के तहत मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत करते हुए सम्बन्धित मशीन की गतिविधियों के बारे में उनसे जानकारी ली। मशीन से किस प्रकार कार्य किया जाता है वह भी उनसे जाना। उन्होंने किसानों से कहा कि वे पराली प्रबंधन के दृष्टिगत इन यंत्रों का वे स्वयं प्रयोग करें और दूसरे किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि खेतों में पड़े अवशेष जलाने से काफी नुकसान होता है, यह धीमा जहर होता है, जिसका बाद में पता चलता

है। यह मानव जीवन के लिए काफी खतरनाक होता है। उन्होने किसानों को कहा कि पराली प्रबंधन के लिए कृषि विभाग द्वारा जो यंत्र उपलब्ध करवाए जा रहे हैं उनका प्रयोग करें। कस्टम हायरिंग सेंटरों में भी इन यंत्रों को उपलब्ध करवाया जाता है, उनका वे प्रयोग कर सकते हैं। मकसद पराली का जलाना नहीं है, उसका सही प्रबंधन करना है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान हैप्पी सीडर, चौपर, कटर, मिट्टी पलटने वाले यंत्र के साथ-साथ यहां पर लाये यंत्रों के बारे किसानों से बातचीत की।

सहायक कृषि अभियंता ओ.पी. महिवाल ने उपायुक्त को अवगत करवाते हुए बताया कि आज अम्बाला ब्लाक वन व द्वितीय के अंतर्गत आने वाले जिन किसानों ने पोर्टल पर आवेदन किया था, उनके कृषि यंत्रों का सत्यापन करने का कार्य किया जा रहा है। आज अभी तक 60 से ज्यादा कृषि यंत्रों का सत्यापन का कार्य कर लिया गया है। कल भी इस कार्य को किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जिन किसानों ने 09 अक्तूबर तक विभागीय पोर्टल पर बिल, ई-वे बिल, घोषणा-पत्र, कृषि यंत्र के साथ आवेदक की फोटो अपलोड किया है उन सभी योग्य किसानों के कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन 12 अक्तूबर तक सुबह 09:00 बजे से शाम 03:00 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्लॉक साहा, ब्लॉक बराड़ा, ब्लॉक नारायणगढ़ व ब्लॉक शहजादपुर का कालपी (नहोनी फलाई ओवर के पास) निर्धारित तिथि को जिला स्तरीय कार्यकारी कमेटी द्वारा गठित कमेटी द्वारा किया जाएगा ।

सभी व्यक्तिगत श्रेणी के किसान अपने कृषि यंत्रों के साथ जरूरी दस्तावेज जैसे ऑनलाइन आवेदन स्लिप, बिल, इ-वे बिल, घोषणा-पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता की फोटोप्रति, पटवारी रिपोर्ट, कृषि यंत्रों के साथ किसान व नम्बर प्लेट की फोटो, ट्रैक्टर की आर सी, मेरी फसल मेरा ब्योरा, कृषि यंत्र पर पक्के पैंट से किसान का नाम, मोबाईल न0, गाँव का नाम, सीआरएम 2021-22 लिखना अनिवार्य है ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुनक गांव में आजादी का अमृत महोत्सव के मद्देनजर ग्रामीणों को दी गई कानूनी जानकारी

मुनक/करनाल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जागरूकता पैदा करने के लिए गांव मुनक में कानूनी साक्षरता अभियान के मद्देनजर एक शिविर का आयोजन किया गया। यह भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने तथा लोगों को अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति जागरूक करने की एक अनूठी पहल है।

इस अवसर पर जिला सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय की नुक्कड़ नाटक मंडली ने गीतों के माध्यम से आम जनता को विभिन्न कानूनी सेवा योजनाओं से अवगत कराया। शिविर में आए लोगों को विधिक सेवा अधिनियम के तहत प्रदान की जाने वाली मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में अवगत कराया गया और उन्हें यह बताया गया कि वह व्यक्ति जिसकी सालाना आय 3 लाख रुपये से कम है और जनरल जाति से संबंध रखता है मुफ्त कानूनी लेने का हकदार है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति जो अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति कैटेगरी से आता है या महिला है बच्चे हैं दिव्यांग है उसे मुफ्त कानूनी सहायता उसकी आए को ध्यान में न रखते हुए प्रदान की जाती है। लोगों को यह अवगत कराया गया कि अगर उन्हें किसी प्रकार की कानूनी समस्या है या किसी परकार की दिक्कत है या वह वकील की सेवाएं लेना चाहते हैं तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं और इसके लिए उनके केस की पैरवी जिला न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय तक मुफ्त की जाएगी। इसके अलावा शिविर में आए हुए लोगों को आवेदन पत्र वितरीत किए गए ताकि वह अपनी शिकायतों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेज सकें। विभिन्न प्रकार की कानूनी जानकारी से संबंधित पुस्तिकाएं एवं पर्चे वितरित किए गए ताकि उन्हें बेसिक कानूनी ज्ञान प्राप्त हो सके और वह अपने अधिकारों के बारे में अवगत हो जिससे समाज में उनका किसी प्रकार का शोषण न हो इसके अलावा शिविर में सरपंच एवं पंचों ने भी भाग लिया ।

मापदंडो के तहत समय अवधि के तहत पूरा कर कार्य

अम्बाला

अतिरिक्त उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सोमवार उपायुक्त कार्यालय में डिस्ट्रीक लैवल क्लीयरैंस कमेटी की एक बैठक लेते हुए उद्योगों से सम्बन्धित जिन विभागों द्वारा जो कार्य किया जाना है व मोबाईल टावर विषय को लेकर भी जो आवश्यक कार्य किए जाने हैं उन्हें भी निर्धारित मापदंडो के तहत समय अवधि के तहत पूरा करें।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र

भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में स्कूल के छात्रों ने पहले दोनों स्थान प्राप्त किए तथा कनिष्ठ वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। विद्यालय के छात्रों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. एमएम सिंह ने छात्रों को बधाई देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र के सभी विद्यालयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में 12वीं कक्षा की छात्रा शिवानी ने 40 में से 38 अंक लेकर पहला स्थान प्राप्त किया। स्कूल के ही कक्षा 11वीं के छात्र यश वर्मा ने 35 अंक लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार कनिष्ठ वर्ग में 8वीं कक्षा की छात्रा जैमिका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है । प्रतियोगिता का परिणाम सोमवार को घोषित किया गया। यह प्रतियोगिता ऑनलाईन माध्यम से आयोजित की गई थी। पहले 3 स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के एसीएस देवेन्द्र सिंह ने जल शक्ति अभियान को लेकर उपायुक्तों को निर्देश दिए

करनाल

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने सोमवार को प्रदेश के उपायुक्तों के साथ जल शक्ति अभियान विषय पर चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से समीक्षा की और कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों के निर्धारित लक्ष्यों को जल्द पूरा करें। नवम्बर माह में राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस

मिशन की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान के तहत पांच बिंदुओं पर मुख्यतः बल दिया जा रहा है जिनमें जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टर, जल श्रोतों का नवीकरण, बोरवेल का पुर्नप्रयोग, सघन पौधारोपण और आई.ई.सी. गतिविधियां शामिल हैं। ए.सी.एस. ने कहा कि अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधी गतिविधियों की फोटोग्राफी, वीडियो अवश्य पोर्टल पर अपलोड करते रहें। इसके अलावा एक्सल शीट में डाटा को अपडेट करें। उन्होंने कहा कि अधिकांश जिलों में इस दिशा में अच्छा कार्य हुआ है, लेकिन इसे और बेहतरीन बनाने की जरूरत है।

कुवि के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में सरस्वती नदी की पुरातात्विक विरासत पर संगोष्ठी आयोजित

कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में सोमवार को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में सरस्वती नदी की पुरातात्विक विरासत पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सबसे पहले संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सुखदेव सैनी ने मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया।

वेबिनार में बतौर मुख्य अतिथि एडवोकेट धुम्मन सिंह किरमिच उपाध्यक्ष, सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड (हरियाणा सरकार) ने सरस्वती नदी के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित प्रतिभागियों तथा अन्य प्रबुद्धजनों से ह्लसरस्वती पुनरुत्थान योजना कार्यक्रम के सम्बन्ध में सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड (हरियाणा सरकार) की ओर से सुझाव लिए।

वेबिनार में प्रमुख वक्ता प्रोफेसर केन दीक्षित (अध्यक्ष, भारतीय पुरातत्व परिषद्, नई दिल्ली) ने हरियाणा तथा अन्य राज्यों में सरस्वती नदी के प्रवाह तथा पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त साक्ष्यों को नई व्याख्याओं के साथ प्रस्तुत किया

वेबिनार के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ. संजय मंजुल (संयुक्त निदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली) ने पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सरस्वती नदी के आखिरी छोर भारत पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित पुरास्थल बिंजौर (राजस्थान) से प्राप्त पुरातात्विक सामग्री के माध्यम से सरस्वती सभ्यता के अनेक पहलुओं को उजागर किया।

स्थानीय विधायक एवं वन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मपाल गोंदर विश्राम गृह का किया शिलान्यास

करनाल

स्थानीय विधायक एवं वन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मपाल गोंदर ने इंडस्ट्रियल के समीप विश्राम गृह का शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने नारियल फोड कर नीवं रखी। पी डब्लयू डी की बिल्डिंग शाखा विश्राम गृह का निर्माण करेगी। विधायक एवं विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मपाल गोंदर ने बताया विश्राम गृह के निर्माण पर 2,87,25 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। विश्राम गृह का ठेका कुरुक्षेत्र की एक फर्म को दिया गया है।इसे जनवरी 2023 तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। विधायक ने बताया कि 13 अक्तूबर से इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। विधायक ने

बताया कि बस स्टैंड के लिए जगह का चयन कर लिया गया है। अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही है। कोरोना की वजह से ग्रांट न आने से नपा के कार्य प्रभावित हुए हैं। नपा को जल्द ग्रांट मिल जाएगी जिससे रुके हुए विकास कार्य शुरू हो जाएंगे। नीलोखेड़ी को सब डिवीजन बनाए जाने की मांग पर उन्होंने कहा कि मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में है। पीडब्ल्यूडी की बिल्डिंग शाखा के एसडीओ सवित पन्नू ने बताया विश्राम गृह में एक सी एम सूट होगा जिसमें एक बेडरूम, एक डायनिंग हाल तथा एक मीटिंग हाल होगा। दो आफिसर्स रूम तथा एक वी आई पी रूम का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर सुरेश प्रभाकर, सतनाम आहूजा, नरेन्द्र शर्मा, ,दीपक बंसल, रमेश कादियान, पब्लिक हेल्थ के एस डी ओ अभिषेक तथा जेई हर्ष उपस्थित थे।

पढ़ाई के साथ प्रशिक्षण व खुद के पांव पर खड़ा होने का मौका देता है न्यूजहाउंड

कुरुक्षेत्र

न्यूजहाउंड के को-फाउंडर अर्जुन समर महेन्द्रन ने कहा है कि मीडिया पाठयक्रमों में शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को न्यूजहाउंड अपने वर्चुअल प्लेटफार्म के माध्यम से कंटेंट तैयार कर एक बेहतर एवं कुशल मीडियाकर्मी बनने का मौका देता है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मीडिया पाठयक्रमों के विद्यार्थी एक कामयाब मीडियाकर्मी बने इसके लिए ही न्यूजहाउंड व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच समझौता हुआ है। उसी समझौते के तहत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के लिए न्यूजहाउंड की ओर से एक दिवसीय ओरिएंटेशन वर्कशॉप का सोमवार को आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए

अवसरों की कमी के चलते मीडिया पाठयक्रम पढने वाले विद्यार्थियों को कम अवसर मिल पाते हैं। मीडिया के विद्यार्थी अपने खुद के प्लेटफार्म बनाएं व वे उन पर उच्च स्तरीय गुणवत्तापरक कंटेंट पाठकों को उपलब्ध करवाएं इसी दिशा में न्यूजहाउंट कार्य कर रहा है। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने विद्यार्थी किस तरह से न्यूजहाउंड के साथ जुड़कर अवसरों का लाभ उठा सकते हैं

अर्जुन समर ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह मीडिया के क्षेत्र में भी नौकरियों की लगातार कमी हो रही है। अवसरों की कमी के चलते मीडिया पाठयक्रम पढने वाले विद्यार्थियों को कम अवसर मिल पाते हैं। मीडिया के विद्यार्थी अपने खुद के प्लेटफार्म बनाएं व वे उन पर उच्च स्तरीय गुणवत्तापरक कंटेंट पाठकों को उपलब्ध करवाएं इसी दिशा में न्यूजहाउंट कार्य कर रहा है। अपनी प्रस्तुति में उन्होंने विद्यार्थी किस तरह से न्यूजहाउंड के साथ जुड़कर अवसरों का लाभ उठा सकते हैं इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थी अपने शिक्षकों की देखरेख में अपने आसपास के क्षेत्र से फोटो, टेक्सट, ऑडिया, वीडियो के स्वरूप में स्टोरी तैयार कर सकते हैं और उसे अपने स्टूडेंट मेंटर के सहयोग से अपलोड कर सकते हैं। अपनी प्रस्तुती में अर्जुन महेन्द्रन ने न्यूजहाउंड के साथ काम करने व देश के अन्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़कर स्टोरी तैयार करने के विभिन्न प्रारूपों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर संस्थान की निदेशिका प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने उनका स्वागत किया।

और बताया कि न्यूजहाउंड के साथ समझौते का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व प्लेसमैंट के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध करवाना है ताकि वे क्लासरूम के अपने उपयोगी समय का उपयोग प्रशिक्षण के लिए कर सकें।

धान एंजैसियों को निर्देश दिये कि धान उठान के कार्य में तेजी लाई जाये

अम्बाला

उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज अपने कार्यालय में जिला स्तरीय डिस्ट्रीक मिलिंग कमेटी की बैठक लेते हुए मिलर्स को, आढ़तियों को व किसानों को मंडी में धान खरीद कार्य व उठान संबधी कोई दिक्कत तो नहीं आ रही है, इस बारे जानकारी लेते हुए सम्बन्धित धान एंजैसियों को निर्देश दिये कि धान उठान के कार्य में तेजी लाई जाये। उपायुक्त ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि धान खरीद कार्य को लेकर जिन एंजैसियों द्वारा यह कार्य किया जा रहा है वह पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। उठान का कार्य भी तेजी से हो, इसके लिए वे बेहतर तरीके से कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों व आढ़तियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होने यह भी कहा कि अन्य जिले जींद, पानीपत, सोनीपत से जिला स्तरीय डिस्ट्रीक मिलिंग कमेटी से धान खरीद को लेकर जो डिमांड प्राप्त हुई है, सम्बन्धित एंजैसी नियमों के तहत इस कार्य को करना सुनिश्चित करें। पारदर्शी तरीके एवं नियमों के मुताबिक यह कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जायेगी। बैठक में उन्होंने अन्य बिंदुओं बारे भी समीक्षा की और सम्बन्धित एंजैसियों को इस कार्य में किसी प्रकार की कोई दिक्कत तो नहीं आ रही, उस बारे भी चर्चा की।

इस बार दिल्ली में नहीं घुटेगा दम, प्लान तैयार

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 10 बिंदुओं पर जन अभियान चलाया जाएगा

नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने अपना विंटर एक्शन प्लान तैयार कर लिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 10 बिंदुओं पर जन अभियान चलाया जाएगा। निर्माण साइटों पर धूल प्रदूषण को रोकने के लिए 75 और कूड़ा जलने की घटनाओं पर नजर रखने के लिए 250 टीमें गठित की गई हैं। ग्रीन वाररूम को और मजबूत करने के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ सिकागो और जीडीआई के साथ प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट बनाया गया है और 50 नए पर्यावरण इंजीनियर की भर्ती की गई है। ई-वेस्ट से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली में 20 एकड़ में देश का पहला ई-ईको वेस्ट पार्क बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली जलाने से रोकने के लिए केंद्र और पड़ोसी राज्यों ने कुछ नहीं किया, जिसके चलते किसानों को अब

पराली जलानी पड़ेगी। उन्होंने अपील की कि दिल्ली की तरह ही बाकी राज्य सरकारें भी अपने किसानों के खेतों मे निःशुल्क बायो डि-कंपोजर का छिड़काव करें। साथ ही, केंद्र व राज्यों से मांग की कि दिल्ली में आने वाले वाहनों को सीएनजी में और एनसीआर में चल रहे उद्योगों को पीएनजी में बदला जाए।

दिल्ली सरकार ने आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय पराली का समाधान निकाला-केजरीवालः मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पिछले कुछ दिनों से मैं रोज दिल्ली में वायु प्रदूषण के आंकड़ों को ट्वीट कर रहा हूं। मैं यह दिखाना चाह रहा हूं कि सर्दियों के अक्टूबर, नवंबर और कुछ हद तक दिसंबर महीने को छोड़ कर बाकी समय में दिल्ली के अंदर प्रदूषण लगभग नियंत्रण में रहता है। लगभग 15 सितंबर से मैंने ट्वीट करना शुरू किया है और अभी तक दिल्ली का प्रदूषण नियंत्रण में हैं। एयर क्वालिटी इंडेक्स के पीएम-2.5 और पीएम-10 के जो आंकड़े हैं, वह सारे आंकड़े नियंत्रण में हैं। या तो माडरेट कटेगरी में आते हैं या बहुत अच्छा में आते हैं। वहीं, आसपास के पड़ोसी राज्यों की सरकारों ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कुछ नहीं किया है। केंद्र सरकार को कहने कई बार कहा है, लेकिन केंद्र सरकार ने भी कुछ नहीं किया है। जिसकी वजह से किसानों को अब पराली जलानी पड़ेगी, क्योंकि किसानों के पास कोई उपाय नहीं बचेगा। पराली जलाने से जो धुंआ आएगा, उस धुंए की वजह से दिल्ली के अंदर प्रदूषण होगा और यह अगले कुछ दिनों में हम देखेंगे। पराली को जलाने से बचने का अब विकल्प निकल आया है। दिल्ली सरकार ने आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय इसका समाधान निकाला है। हम केंद्र सरकार से भी लगातार संपर्क में हैं और हम उम्मीद करते हैं कि इसको ज्यादा से ज्यादा लागू किया जाएगा।

दिल्ली में 24 घंटे बिजली आपूर्ति होने से जेनरेटर हुआ बंदः केजरीवाल

मुख्यमुंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले सात साल से आम आदमी पार्टी की सरकार है। दिल्ली की दो करोड़ लोगों के साथ मिल कर हम लोगों ने प्रदूषण को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं। खासकार मैं दिल्ली के लोगों का शुक्रिया करना चाहूंगा और उन्हें बधाई देना चाहूंगा कि दिल्ली के लोगों ने बढ़-चढ़ कर प्रदूषण को कम करने में हिस्सा लिया। मोटे-मोटे तौर पर अभी तक हम लोगों ने 10 कदम उठाए हैं। पहला, दिल्ली में 24 घंटे बिजली कर दी। पहले दिल्ली में हजारों जेनरेटर चला करते थे। 24 घंटे बिजली करने के बाद वो जेनरेटर चलने बंद हो गए। उन जेनरेटर के बंद होने से जो धुंआ निकलता था, वह भी बंद हो गया।

दिल्ली: जेल कर्मियों ने कैदी को बचाया

नई दिल्ली

तिहाड़ के जेलों में सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद जेल कर्मियों ने सोमवार को एक कैदी को खुदकुशी करने से बचा लिया। सीसीटीवी कैमरे में कैदी को फांसी लगाता देख जेल कर्मचारी वहां पहुंचे और उसके गले से फंदा हटाया। कैदी को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जेल अधिकारियों के मुताबिक यह घटना जेल नंबर सात में हुई। खुदकुशी का प्रयास करने वाला कैदी दहेज हत्या के मामले में एक माह पहले ही अपने पिता और एक रिश्तेदार के साथ एक ही सेल में बंद हुआ है। मंगलवार सुबह पिता और रिश्तेदार के सेल से निकलने के बाद कैदी ने तौलिये का फंदा बनाकर पंखे से लटक गया। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी करने वाला जेल कर्मी ने कैदी की हरकत देखकर तुरंत सेल में पहुंचा और उसके गले से फंदा हटाया। हालांकि कैदी तब तक अचेत हो चुका था। इसलिए उसे तुरंत इलाज के लिए दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गहन चिकित्सा कक्ष में उसका इलाज चल रहा है। जेल कर्मी की सर्तकता से एक कैदी की जान बच गई।

शराब पीने से रोकने पर पत्नी की हत्या, मुरैना से गिरफ्तार

नई दिल्ली

पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में शराब पीने से रोकने की बात को लेकर हुए झगड़े के दौरान फावड़ा मारकर पत्नी की हत्या करने वाले आरोपित को पुलिस ने मुरैना से गिरफ्तार कर लिया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह साधु के भेष में रह रहा था। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर जांच कर रही है। डीसीपी उर्विजा गोयल ने बताया कि आरोपी की पहचान भिंड मध्य प्रदेश निवासी रामवीर (50) के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला पर उसके पति ने फावड़े से हमलाकर उसे

घायल कर दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अचेत महिला को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। महिला की शिनाख्त सीमा के रूप में हुई। पुलिस को सीमा की बहन ने बताया कि रामवीर शराब पीने का आदी था। इस बात को लेकर उनके बीच अकसर झगड़ा होता था।

अपराध शाखा ने चार कुख्यात बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहित चौधरी के चार गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से राजेश उर्फ रावण की मकोका के मामले में भी पुलिस को तलाश थी। अप्रैल 2020 में वह जमानत पर जेल से निकला था। अपराध शाखा के डीसीपी राजेश देव ने सोमवार को बताया कि आपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाशों को लेकर अपराध शाखा की टीम काम कर रही थी। इस दौरान उन्हें पता चला कि रोहित चौधरी गैंग का कुख्यात बदमाश राजेश उर्फ रावण दक्षिणी दिल्ली में है। रोहित चौधरी के इशारे पर बीते एक अक्टूबर को आया नगर इलाके में उन्होंने प्रॉपर्टी विवाद के चलते एक शख्स को बेरहमी से पीटा है। वह अपने साथियों के साथ दिल्ली से भागने की कोशिश कर रहा है और एनएच-8 पर उसे पकड़ा जा सकता है। इस जानकारी पर एसीपी मनोज दीक्षित की देखरेख में टीम ने जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि इस गैंग के बदमाशों ने आया नगर में युवक पर रॉड और हथौड़े से हमला किया है। इसे लेकर फतेहपुर बेरी थाने में हत्या प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम ने शाम के समय टोल प्लाजा के पास एक कार को रोका जिसमें राजेश उर्फ रावण सवार था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर उसके तीन अन्य साथियों शशि उर्फ लाला, सुनील उर्फ मोहित और शिवम को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। के दौरान आरोपितों ने बताया कि

सिविल डिफेंस एक्ट की वैधता को दी चुनौती

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सिविल डिफेंस एक्ट की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने 29 नवंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका सिविल डिफेंस कॉर्प के पूर्व सदस्य फारुख खान ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सिविल डिफेंस एक्ट की धारा 6(2) के तहत सिविल डिफेंस कॉर्प के कंट्रोलर को ये अधिकार है कि वो किसी भी सदस्य को बिना कारण बताए निकाल सकता है। याचिका में सिविल डिफेंस एक्ट की धारा 14(1) को चुनौती दी गई है, जिसमें कंट्रोलर के किसी भी फैसले के खिलाफ कानूनी उपाय करने पर पूरे तरीके से रोक लगाई गई है। याचिकाकर्ता को 23 मार्च 2020 को बिना कोई कारण बताए निकाल दिया गया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से वकील सत्यकाम ने याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। सिविल डिफेंस कॉर्प एक स्वयंसेवी बल है और वह सरकारी सेवा नहीं है। यहां तक कि सिविल डिफेंस की सेवा कर रहे लोगों को उनका उत्साहवर्धन करने के लिए मानदेय दिया जाता है।

पार्क में मिला नग्नावस्था में लड़की का शव

दिल्ली महिला आयोग ने पुलिस को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले में एक लड़की का ननग्नावस्था में शव बरामद होने पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। आयोग ने यह कदम मीडिया रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए उठाया जिसमें यह बताया गया था कि हर्ष विहार इलाके के एक पार्क में एक लड़की का नग्न शरीर मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स में आरोप लगाया गया है कि संभवतः लड़की के साथ बलात्कार के बाद हत्या की गई है। आयोग ने हर्ष विहार थाने के एसएचओ को मामले को बेहद गंभीर माना है और दिल्ली पुलिस से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने एफआईआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी भी मांगी है। आयोग ने पुलिस से मृतका की पहचान और पुलिस की जांच के बारे में पूछा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा, ह्यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। राजधानी में लड़कियों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय है। हम दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में तत्काल रिपोर्ट मंगवा रहे हैं।

लखीमपुर में हुई हिंसा को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी में भाजपा नेताओं द्वारा कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों की रौंदकर हत्या करने के खिलाफ किसानों से मिलने जा रही कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को घटना स्थल पर जाने से रोक कर उन्हें नजरबंद करना लोकतंत्र की हत्या के समान है। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी के अंहकार और अन्याय भरे कुशासन में अन्नदाताओं के साथ हो रहे अत्याचार हमें मंजूर नही और किसानों के अधिकारों की लड़ाई को हम दबने नही देंगे। लखीमपुर खीरी में किसानों की कुचल कर हत्या करने के खिलाफ आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार की अध्यक्षता में आज डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों में दिल्ली देहात गांव के लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मोदी-योगी सरकार इस्तीफा दो, इस्तीफा दो, हत्यारे

भाजपा नेताओं को फांसी दो, किसानो की हत्यारी भाजपा सरकार, शर्म करो-शर्म करो आदि नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों में प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ, पूर्व सांसद रमेश कुमार, उदित राज और प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जय किशन, अभिषेक दत्त, मुदित अग्रवाल, शिवानी चौपड़ा और अली मेंहदी, पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र नाथ, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष अमृता धवन, पूर्व विधायक चौ0 मतीन अहमद, राजेश लिलौठिया, हरी शंकर गुप्ता, अनिल भारद्वाज, विपिन शर्मा, भीष्म शर्मा, अमरीश गौतम, राजेश जैन, सुरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष मौहम्मद उस्मान, विरेन्द्र कसाना, दिनेश कुमार एडवोकेट, इन्द्रजीत सिंह, विष्णु अग्रवाल, गुरचरण सिंह राजू, राजेश चौहान, निगम पार्षद दर्शन जाटव, अमरलता सांगवान, परवेज आलम, पूर्व मेयर सतवीर सिंह, प्रदेश कांग्रेस सेवादल मुख्य संगठक सुनील कुमार, राहुल शर्मा, रमेश सब्बरवाल मुख्य रुप से मौजूद थे।

हत्या की साजिश में दो और संदिग्ध टिल्लू के निर्देश पर कर रहे थे काम

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहिणी कोर्ट के भीतर हुई गोलीकांड के मुख्य संदिग्ध जेल में बंद रहे गैंगेस्टर टिल्लू ताजूपरिया को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। इस दौरान यह पता चला है कि टिल्लू के निर्देश पर फरार शूटर समेत दो और संदिग्ध भी इसके निर्देश पर काम कर रहे थे। इस मामले में दो शूटर को पुलिस ने शूटआउट के दौरान मार गिराया है, जबकि दो को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा टिल्लू समेत इस नेटवर्क के कई गैंगेस्टर की से पूछताछ भी कर रही है। गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया ने पूछताछ के दौरान पुलिस अब यह पता लगाने में

जुटी है कि शूटआउट की साजिश में किसकी क्या भूमिका रही है। पुलिस यह जानना चाहती है कि आखिरकार किसे क्या निर्देश मिल रहा था और कौन क्या कर रहा था। वहीं जब दो शूटर वहां थे तो उसने तीसरे शूटर को रोहिणी कोर्ट में क्यों भेजा था? उसने जिस तीसरे शूटर का नाम नेपाली बताया था, उसके बारे में पुलिस को जानकारी मुहैया कराई है। इस जानकारी के आधार पर ही पुलिस टिल्लू ताजपुरिया के इस शूटर की तलाश कर रही है और उसके नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

एक जज को प्रभावित करने का आरोप लगाने वाले को हाईकोर्ट की फटकार

नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट जज को प्रभावित करने का आरोप लगाने की दलील देने वाले एक पक्षकार को फटकार लगाई। दरअसल एक वैवाहिक मामले की सुनवाई के दौरान वधू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि उसके पति ने हाई कोर्ट के जज को प्रभावित करने की कोशिश की। इस पर जस्टिस रेखा पल्ली ने फटकार लगाते हुए कहा कि आप इस तरह के आरोप कैसे लगा सकते हैं। इस मामले में पति और पत्नी अलग-अलग रह रहे हैं। उनका सात वर्ष का एक बच्चा भी है। पति ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपने बच्चे से मिलने की मांग की है। पति का आरोप है कि पत्नी ने उन्हें अपने बच्चे से पिछले तीन सालों से मिलने नहीं दिया है। सुनवाई के दौरान पत्नी ने पति के आरोपों का जोरदार खंडन करते हुए कहा कि उनके जीवन को पति से खतरा है। पत्नी ने पति पर आरोप लगाया कि उसने चेहरे पर तेजाब फेंकने कोशिश की थी। सुनवाई के दौरान पत्नी ने दलील दी कि उसके पति ने हाई कोर्ट के एक सिटिंग जज को अपने पक्ष में फैसला लेने के लिए प्रभावित करने की कोशिश की थी। इस पर जस्टिस रेखा पल्ली ने उस सिटिंग जज का नाम लेने पर कड़ा एतराज जताया और कहा कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर आपको नाम लेना है तो उसे लिखकर दीजिए उस पर हम विचार करेंगे।

रुद्रपुर नगर निगम के महापौर ने उत्तरी दिल्ली के महापौर से की मुलाकात

नई दिल्ली

रूद्रपुर नगर निगम के महापौर, रामपाल सिंह ने उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह से उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में मुलाकात की । इस अवसर पर रुद्रपुर नगर निगम के आयुक्त, विकास मिश्रा, उपायुक्त, जे.के. जैन व उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। महापौर, राजा इकबाल सिंह ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्ली को कूड़ा मुक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों, राजस्व बढ़ाने के लिए नई नीतियों, सफाई कार्य व निगम द्वारा नागरिकों के लिए किए जा रहे

विभिन्न विकास कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि रुद्रपुर नगर निगम के महापौर, श्री रामपाल सिंह ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा नागरिकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

दो टीम में बंट गए दिल्ली-एनसीआर के गैंगस्टर

नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में बदमाशों के बीच आने वाले समय में बड़ी गैंगवार हो सकती है। गैंगवार का सबसे बड़ा कारण गैंगस्टरों का दो टीम में होना है। एक टीम टिल्लू की है, जिसमें नीरज बवाना सहित कई नामी गैंगस्टर अपने गुर्गों के साथ है, जबकि दूसरी टीम गोगी गैंग की है जिसे कई बड़े गैंगस्टर मदद कर रहे है। गोगी की हत्या के बाद वह टिल्लू और उसकी टीम में जुड़े गैंगस्टरों पर हमला करने की फिराक में है। इसके चलते न केवल दिल्ली पुलिस बल्कि जेल प्रशासन भी अलर्ट है। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त नीरज ठाकुर ने बताया कि बीते 24 अक्टूबर को रोहिणी कोर्ट में जितेंद्र गोगी की हत्या कर दी गई थी। यह हत्या उसके विरोधी टिल्लू के शूटरों द्वारा अंजाम दी

गई थी। इस हत्या के बाद से गोगी के गैंग के सदस्य बदला लेने के लिए मौका तलाश रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी के समय में न केवल दिल्ली एनसीआर बल्कि पंजाब तक के गैंगस्टर भी इनसे जुड़ गए हैं। कनाडा में बैठकर पंजाब में ऑपरेट करने वाले गोल्डी बरार नामक बदमाश ने गोगी के गुर्गों का इस्तेमाल कर हाल ही में हत्या को अंजाम दिलवाया है। इससे यह साफ हो गया है कि वह भी इस गैंग से जुड़ चुका है। विशेष आयुक्त ने बताया कि अभी के समय में गैंगस्टर मुख्य रूप से दो टीमों में बंटे हुए दिख रहे हैं। एक टीम जितेंद्र गोगी की है जिसमें उसके शूटरों के अलावा गैंग को लीड कर रहा दीपक बॉक्सर है। उनके साथ लॉरेंस बिश्नोई, काला जठेड़ी, अशोक प्रधान, गोल्डी बरार, हाशिम बाबा, संपत नेहरा आदि गैंग शामिल है, वहीं दूसरी तरफ टिल्लू का गैंग है जिसके साथ नीरज बवाना, नवीन बाली, नासिर, सुनील राठी आदि गैंग जुड़े हुए हैं। सूत्रों की माने तो इनमें से अधिकांश बदमाश दिल्ली की अलग-अलग जेलों में बंद है, लेकिन कहीं ना कहीं वह एक दूसरे गैंग पर हमला करने के लिए मौका तलाश रहे हैं। दोनों ही टीम में बंटे अधिकतर गैंगस्टर पर मकोका लगा हुआ है जिसकी वजह से वह जेल से बाहर नहीं निकल सकते, लेकिन जेल के भीतर भी वह एक दूसरे पर हमला कर सकते हैं। इसकी वजह से जेल प्रशासन को पुलिस को तरफ से इन गैंग से संबंधित इनपुट दिए जा रहे हैं। इसके अलावा इन दोनों ही टीम से जुड़े हुए गैंगस्टरों को लेकर अपराध शाखा और स्पेशल सेल काम कर रही है, ताकि इनके बीच की गैंगवार को रोका जा सके।

दरगाह शाह-ए-मर्दा मैनेजमेंट कमेटी का वक्फ बोर्ड के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्लीः दरगाह शाह-ए-मर्दा मैनेजमेंट कमेटी की तरफ से सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के बाहर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि दिल्ली वक्फ बोर्ड की तरफ से बनाई गई मैनेजमेंट कमेटी को दरकिनार कर दरगाह पर कब्जा करने वालों के साथ सांठगांठ कर करोड़ों का घोटाला किया जा रहा है।

कमेटी के जनरल सेक्रेटरी सरफराज हुसैन ने आरोप लगाया कि दिल्ली वक्फ बोर्ड ने ही उन्हें और कमेटी के अन्य जिम्मेदारों को वहां पर तैनात किया है लेकिन वक्फ बोर्ड अब उन्हें नजरअंदाज कर रहा है। बोर्ड वहां पर पहले से कब्जा करके रह रहे लोगों के साथ बातचीत कर रहा है। उनका कहना है कि उनके धरना देने का मकसद यह है कि वह बोर्ड को जगाना चाहते हैं। और दरगाह पर काबिज लोगों को वहां से भगाना चाहते हैं। मैनेजिंग कमेटी शाह-ए-मर्दा ने अंजुमन कमेटी के जरिए अकाउंट में तथाकथित 200 करोड़ से अधिक के हेरफेर और करप्शन का मुद्दा उठाया है।

मैनेजिंग कमेटी शाह-ए-मर्दा के जनरल सेक्रेट्री सरफराज हुसैन के नेतृत्व में दिए जाने वाले इस धरने में बड़ी संख्या पुरुष और महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान अंजुमन के जरिए शाह-ए-मर्दा के अकाउंट में हेरफेर और वक्फ बोर्ड मेंबर नईम फातमा की उसमें संलिप्तता के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने नईम फातमा को बर्खास्त करो के नारे भी लगाए।

मायापुरी सिलेंडर ब्लास्ट : पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के मायापुरी इलाके में बीते सिलेंडर लीक होने से आग लग गई थी। आग में हुए धमाके में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले में एक घायल ने आज इलाज के दौरान दम तोड़ा। मृतका की पहचान लाली के रूप में हुई, जबकि एक अक्टूबर को राम छल्ला और चार अक्टूबर को विमल व बिट्टू की मौत हुई थी। इससे पहले श्रवण की मौत हुई थी।

पश्चिमी जिले के मायापुरी स्थित एक झुग्गी में तड़के करीब साढ़े तीन बजे सूचना मिली कि मायापुरी के रेवाड़ी लाइन के पास झुग्गी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक आग में झुलसे पांच घायलों को पीसीआर वैन और एंबुलेंस से दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। सभी 90 फीसदी से ज्यादा झुलस गए थे। डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक इलाज करने के बाद सभी को सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया था। घायलों की पहचान रामछल्ला, विमल यादव, बिट्टू, लाली और उसके पति श्रवण के रूप में हुई थी।

घटनास्थल पर छानबीन और आस पास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि रामछल्ला, विमल और बिट्टू एक झुग्गी में रहते थे, जबकि लाली अपने पति श्रवण के साथ पड़ोस की झुग्गी में रहती थी।

देर रात करीब सवा तीन बजे लाली और उसके पति को रसोई गैस की दुर्गंध महसूस हुई।

चुनावी खर्चे पर रखें पैनी नजरः व्यय पर्यवेक्षक

चुनाव व्यय नियंत्रण में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें

मंडी

चुनाव आयोग द्वारा मंडी लोकसभा क्षेत्र के उप चुनाव के लिए नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विमल कुमार मीणा ने मंडी में उपायुक्त कार्यालय सभागार में जिला मंडी व कुल्लू के सहायक व्यय पर्यवेक्षकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों के खर्च पर पैनी नजर रखें ताकि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाए जा सकें। उन्होंने चुनावी खर्चों को नियमित लिखने की हिदायत देते हुए कहा कि चुनाव व्यय नियंत्रण में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने सभी

अधिकारियों को अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करने को कहा।

विमल कुमार मीणा ने बैठक में सहायक व्यय पर्यवेक्षकों के कार्यों एवं दायित्वों पर प्रकाश डाला और उन्हें क्या करना एवं क्या नहीं करना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

हर दिन सौंपें खर्चे की रिपोर्ट

उन्होंने ने कहा कि सहायक व्यय पर्यवेक्षक फ्लाईंग स्क्वैड, वीडियो सर्विलैंस एवं स्टेटिक निगरानी टीमों के साथ आपसी समन्वय से काम करें और उम्मीदवारों के चुनावी खर्चे का पर नजर रखें। हर दिन चुनावी खर्चे की रिपोर्ट उन्हें सौंपे और रिपोर्ट से जुड़े तथ्य भी प्रस्तुत करें। कहा कि प्रत्याशियों के व्यय के आंकलन के लिए चुनावी रैलियों की विडीयोग्राफी करवाएंए ताकि इन पर होने वाले खर्च का अनुमान लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के लिए अधिकतम व्यय सीमा 77 लाख है इससे अधिक व्यय नहीं किया जा सकता है। व्यय पर्यवेक्षक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि चुनाव व्यय से जुड़ी और चुनाव के दौरान रिश्वत के लेन.देन संबंधी शिकायत उनसे दूरभाष के माध्यम से या व्यक्तिगत तौर की जा सकती है। इसके लिए उनके मोबाइल नंबर 9015427002 पर संपर्क करें। वे मंडी विद्युत विभाग के टारना स्थित विश्राम गृह के कमरा नंबर 8 में ठहरे हैं तथा लोग दूरभाष नंबर 01905-227806 पर भी उनसे चुनावी व्यय से जुड़ी शिकायत कर सकते हैं।

निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों को लेकर की बैठक

फतेहपुर

निर्वाचन अधिकारी (एसडीएम)अंकुश शर्मा ने फ तेहपुर उप-चुनाव की तैयारियों को लेकर चुनाव प्रक्रिया पर निगरानी के लिए गठित विभिन्न टीमों के साथ फतेहपुर में आवश्यक बैठक आयोजित की। इस मौके पर सहायक निर्वाचन अधिकारी (तहसीलदार) हरीश कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी व बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष तथा स्वतंत्र चुनाव सम्पन्न करवाना प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए प्रशासन चुनाव आयोग और लोगों के बीच सेतु की तरह कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मूल उद्देश्य जहां चुनाव आयोग

द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित बनाना है। वहीं इसके साथ मतदाताओं को बिना किसी भय से अधिक से अधिक मतदान के प्रति जागरूक करना है, ताकि लोगों को मतदान के दिन किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्याशियों द्वारा चुनाव के दौरान किये जाने वाले व्यय तथा मतदाताओं को उनके हक में वोट करने के लिए किसी भी प्रकार के प्रलोभन देने जैसी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने चुनाव डयूटी के लिए तैनात सभी अधिकारिओं तथा कर्मचारियों से टीम के रूप में कार्य करने की अपील की ताकि लोकतंत्र के इस महापर्व को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाया जा सके।

आतंकी हमले को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने किया विरोध प्रदर्शन

मंडी

कश्मीर के आंतकी हमले में जिस तरह से हिंदुओ को चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। इसके विरोध में विस्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने पाकिस्तान का पुतला धनोटू चोक पर जलाया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा कर आतंकियों की निदा की। पिछले दिनों कश्मीर शहर के डाउनटाउन इलाके के ईदगाह स्थित सरकारी ब्वॉयज हायर सैकेंडरी स्कूल में घुसकर आतंकियों ने प्रिंसिपल समेत दो अल्पसंख्यक

शिक्षकों की हत्या कर दी थी। गुरुवार को हुए इस आतंकी हमले में सिख समुदाय से जुड़ीं बडगाम की रहने वाली प्रिंसिपल सुपिंदर कौर और शिक्षक जम्मू के दीपक चंद की मौके पर ही मौत हो गई।

'कथित महलों में रहने वाली प्रतिभा को क्या पता सैनिक की चुनौती'

2019 के चुनाव में हार के भय से छोड़ा था लोकसभा का मैदानःभाजपा

शिमला

मंडी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की धर्मपत्नी प्रतिभा सिंह के बयान पर भाजपा ने तंज कसा है। दरअसल, प्रतिभा सिंह ने मंडी रैली के दौरान ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर के चुनाव लड़ने पर कहा था कि चुनाव सेना का मैदान नहीं है। इसी बयान को लेकर हिमाचल भाजपा प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिभा सिंह को खरी-खरी सुनाई है। हिमाचल भाजपा प्रभारी ने कहा कि तथाकथित महलों में जन्मी और महलों में रहने वाली प्रतिभा सिंह को क्या पता कि सैनिकों की चुनौतियां क्या होती हैं। सुविधा संपन्न जीवन जीने वालों को सब कुछ मैदान की तरह आसान लगता है। जबकि सैनिक देश के लिए अपने घर और परिवार से दूर कभी बर्फीले पहाड़ों, कभी तपते रेगिस्तानों तो कभी उफ नते समंदर का सामना करता करते हैं। वे मैदान में नहीं, दुश्मन की गोलियों के बीच सीमाओं पर बने बंकरों में रहकर देश की रक्षा करते हैं। अविनाश राय खन्ना ने कहा कि सैनिकों का काम तो हर वक्त चुनौतियों से जूझना है। सैनिक हार-जीत की चिंता किए

बिना युद्ध के हर मोर्चे पर डटा रहता है। वह कभी भी मैदान नहीं छोड़ता। प्रतिभा सिंह बताएं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में हार के भय से मैदान क्यों छोड़ा थाए जो आज राजनीतिक अखाड़े की बात कर रही हैं। बकौल हिमाचल बीजेपी प्रभारी, हमारी पार्टी ने इस बार मंडी संसदीय सीट से एक सैनिक को चुनावी मैदान में उतारा जिनसे कांग्रेस प्रत्याशी सामना नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने प्रतिभा सिंह को दो टूक जवाब देते हुए कहा कि पहले ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने सेना में रहते हुए देश की रक्षा की, अब मंडी संसदीय सीट भारी बहुमत से जीत कर जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने ने प्रतिभा सिंह से पूछा कि जब वह पूर्व में सांसद थीं तो जनता के बीच घूमने की मंशा क्यों नहीं रखती थी।

आज जब उन्हें लगता है कि सहानुभूति लाकर उनकी राह आसान हो सकती है तो चुनाव लड़ रही हैंए ऐसा संभव नहीं होगा। अविनाश राय खन्ना ने कहा कि जनता प्रतिभा सिंह को मौका देकर देख चुकी है। उन्हें अब तक दो बार सांसद बनाया गया, लेकिन उन्होंने जीत कर जनता की सुध लेना भी गवारा नहीं समझा। यही वजह है, कि उन्हें एक चुनाव में हार देखनी पड़ी तो दूसरे चुनाव में वो बीजेपी का सामना करने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाईं।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने किया चुनाव प्रचार

मंडी

हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निगम भंडारी ने मंडी महामृत्युंजय मंदिर में युवा कांग्रेस की टीम के साथ माथा टेका और प्रतिभा सिंह की जीत हेतु आशिर्वाद लिया। कांग्रेस युवा प्रदेश अध्यक्ष निगम भंडारी ने कहा कि युवा कांग्रेस हिमाचल में उप-चुनाव की डोर टू डोर अभियान की शुरूआत मंडी के महामृत्युंजय मंदिर से की गई और भगवान शिव शंकर से प्रार्थना की जैसे उन्होंने अल्प मृत्यु योग से ऋ षि मार्कंडेय की रक्षा यमराज से की थी वैसे ही देश के किसानों, मजदूरों, गरीबों की रक्षा भी भाजपा की मोदी सरकार से करें। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सरकार सत्ता में बनी रही तो किसानों, मजदूरों, गरीबों और आम लोगों का जीवन महंगाई, बेरोजगारी, खेती की प्राइवेटाइजेशन से बदहाल हो जाएगा, जिसका परिणाम गरीबो की आत्महत्या और भुखमरी के कारण होने वाली मृत्यु होगा।

नाहन कांग्रेस कमेटी का धरना, सरकार के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

नाहन

जिला मुख्यालय नाहन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस भवन से कालीस्थान तालाब तक विरोध प्रदर्शन रैली निकाली। जिसका नेतृत्व नाहन से पूर्व विधायक व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कंवर अजय बहादुर द्वारा किया गया। नाहन शहर व आसपास की ग्रामीण व राष्ट्रीय राजमार्ग की खस्ताहालत को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने बैठक में सरकार की नाकामियों को लोगों के सामने रखा। कंवर अजय बहादुर सिंह ने कहा कि शहर में सडकों की खस्ताहाल, पानी की समस्या और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस प्रदर्शन को मजबूर हो गई है। खस्ताहाल सडकों को लेकर धरने से घबराए नाहन के विधायक ने आनन-फ ानन में शहर के गड्ढों को भरवाने का काम शुरू किया।

कांग्रेस का कहना है कि शहर में लोगों को गंदा पानी पिलाया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी व जल शक्ति विभाग को चेतावनी दी गई कि नेताओं की चमचागिरी बंद करें, अन्यथा कांग्रेस इसको लेकर भी उग्र धरना-प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अजय सोलंकी ने कहा कि शहर की सडकें और गलियां इतनी खराब हो गई हैं कि लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। साथ ही शहर को दिए जाना वाला पानी भी बिना फि ल्टर के दिया जा रहा है। पानी में मिट्टी और कीड़े आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस महासचिव ने बताया कि भाजपा ने देश को महंगाई की दलदल में धकेल दिया है। लोगों को दो वक्त की रोटी चलाना मुश्किल हो गई है। अगर महंगाई को कम नहीं किया गया, तो कांग्रेस धरना प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता रूपेंद्र ठाकुर, प्रोफेसर बलबीर सिंह वरिष्ठ कांग्रेस नेता, महिला कांग्रेस अध्यक्ष जिला सिरमौर उपमा धीमान, नाहन कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान चंद, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विपुल और नरेंद्र तोमर जनरल सेक्रेटरी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाहन का विकास दिखाई नहीं दे रहा तो यह कांग्रेस के चश्मे का दोष हैः डॉ. राजीव बिन्दल

नाहन

विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डा. राजीव बिन्दल ने कांग्रेस पार्टी द्वारा नाहन में किए गए विरोध प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए कहा कि नाहन विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस की हालत खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे जैसी हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि सडकों की हालत ठीक नहीं है, पर कांग्रेस को नाहन में बिछ रही पेयजल पाईप लाईन, फ ायर हाईड्रेंड, पार्क, पार्किंग, मैडिकल भवन निर्माण और दूसरे विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह लगातार नाहन शहर और नाहन विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की

मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भारी बरसात के कारण जिस प्रकार से सडकों को भारी नुसान हुआ है उसे दुरूस्त करने का कार्य सितम्बर से ही प्रारम्भ कर दिया गया था। डा. बिन्दल ने कहा कि हम कांग्रेस को याद कराना चाहते हैं कांग्रेस कार्यकाल में सडकें थी ही नही तो ठीक कहां से कराते। पूरी धारटी के लोग सडकों के अभाव में पैदल चलने को मजबूर थे और यह मजबूरी केवल और केवल कांग्रेस की देन थी। आज नाहन क्षेत्र में 42-43 पुलों पर काम चल रहा है, सडकों पर काम चल रहा है, स्वास्थ्य संस्थानों पर काम चल रहा है पर दुर्भावनापूर्ण राजनीतिक का चश्मा पहने कांग्रेस को कोई काम दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नाहन विधानसभा क्षेत्र का सारा इलाका सडकों से जुड़ता हुई दिखाई दे रहा है। आज कांग्रेस को सडकों की दुदर्शा का ख्याल आ रहा है। हम उनको याद दिलाना चाहता हैं कि कालाअंब-पांवटा नेशल हाईवे की वर्ष 2013,2014 और 2015 में क्या हालत थी, पैदल चलना भी दूरभर था। कालाअंब से लेकर धौलाकुआ तक सडक कीचड से भरा था, लोगों के घरों में मलवा घुसा हुआ था पर आज शानदार नेशनल हाईवे जनता को सेवाएं दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जयराम ठाकुर भाजपा सरकार और केद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में आज नाहन क्षेत्र की दशा और दिशा बदल रही है। फिर भी यदि नाहन क्षेत्र की सडकें अच्छी नजर नहीं आ रही है, तो यह कांग्रेस के चश्मे का दोष है।

एनएच 707 फेज-1 पर सड़क निर्माण कार्य कर रही निजी कम्पनी पर गुस्साया पांवटा व्यापर मण्डल

नाहन

व्यापार मंडल पांवटा साहिब के सदस्यों की नेशनल हाई-वे की दुर्दशा को लेकर एक बैठक एसडीएम पांवटा विवेक महाजन के साथ हुई। नेशनल हाई-वे की बुरी हालत बनी हुई है जिसके कारण व्यापारियों और जनता रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। बद्रीपुर से सतौन नेशनल हाई-वे के बुरे हाल हैं, सडकों पर गड्ढे हो गए है और सडक निर्माण कार्य कर रही कम्पनी समय-समय पर पानी का छिडकाव भी नही करती है, जिसके कारण घरों, दुकानों, पैदल चलने में तथा वाहन

चलने मे बड़ी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। व्यापारियों का कहना है कि पहले कोरोना संक्रमण ने सभी दुकानदारों की कमर तोड़ दी और अब थोडा काम खुलने के ओजआसार दिखे थे, तो निजी कम्पनियों के बैतरतीव कार्य करने के ढंग ने कारोबार करने में मुश्किलें खड़ी कर दी है। दुर्घटनाएं बढ गई है, दुकानों पर रखा समान पूरा धुल मिट्टी से खराब हो रहा है, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने एसडीएम विवेक महाजन को कहा कि प्रशासन इस मामले में तत्काल कदम उठाएं। इस दौरान अनिंद्र सिंह नौटी ने कहा कि व्यापार मंडल पांवटा साहिब नेशनल हाई-वे विभाग की कार्यशैली पर नजर बनाए रखेगा। अगर हालात में कोई सुधार नहीं हुए तो व्यापार मंडल चक्का जाम करने से पीछे नहीं हटेगा। एसडीएम ने नेशनल हाई-वे विभाग को लिखित आदेश भी जारी किए हैं तथा मौखिक रूप से भी इस काम को समय पर करने तथा जनता को किसी तरह की तकलीफ न हो, इस बारे में सख्त निर्देश दिए हैं।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए आयोजित की जा रही हैं गतिविधियां

चंबा

सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय धीमान ने बताया कि सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम 'स्वीप के तहत भरमौर क्षेत्र में मतदान के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सघन जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। मतदाता शिक्षा और मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित बनाने को लेकर प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके तहत लोगों को मतदान का महत्व और मतदान के दौरान प्रयोग होने वाली ईवीएम और वीवीपैट मशीन

की कार्यप्रणाली से लोगों को अवगत करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी के तहत आज मतदान केंद्र लाहल और सीनियर सैकेंडरी स्कूल पूलन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों को अभियान के खंड प्रभारी अनिल कुमार ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व और गोपाल चौहान ने ईवीएम और वीवीपैट मशीन से मतदान प्रकिया की संपूर्ण जानकारी प्रदान की। अभिनय कुमार ने इस दौरान पोस्टर और पंपलेट के माध्यम द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी से उपस्थित लोगों को अवगत करवाया। सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. संजय धीमान ने लोगों से आह्वान किया है कि वे अपने मतदान अधिकार का प्रयोग अवश्य करें। हर नागरिक जब अपने मतदान अधिकार का प्रयोग करेगा तो इससे लोकतंत्र और मजबूत होगा।

सामान्य पर्यवेक्षक विपिन तलाटी ने संभाला कार्यभार

चंबा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मंडी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में उप-चुनाव को लेकर विधानसभा क्षेत्र भरमौर-2 के अंतर्गत नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक विपिन तलाटी ने कार्यभार संभाल लिया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी भरमौर डॉ. संजय धीमान ने जानकारी देते हुए बताया कि सामान्य पर्यवेक्षक विपिन तलाटी विधानसभा क्षेत्र भरमौर-2 सहित लाहौल स्पीति के भी सामान्य पर्यवेक्षक होंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव से संबंधित विभिन्न शिकायतों का अनुश्रवण करने के लिए वर्ष 2010 बैच के गुजरात कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विपिन तलाटी वीरवार सांय भरमौर पहुंच गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि कोई भी सामान्य नागरिक, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सामान्य पर्यवेक्षक से चुनाव से संबंधित किसी शिकायत या सुझाव के लिए उनके मोबाइल नंबर 9173397469 पर संपर्क कर सकता है। इस दौरान सामान्य पर्यवेक्षक ने सहायक निर्वाचन अधिकारी से मतदान के लिए किए गए आवश्यक प्रबंध व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी हासिल की और ईवीएम मशीन को स्ट्रांग रूम में रखने की प्रक्रिया की देखरेख भी की। सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा निर्वाचक भागीदारी जागरूकता कार्यक्रम स्वीप के तहत भरमौर क्षेत्र में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी को सामान्य पर्यवेक्षक से सहायक निर्वाचन अधिकारी ने अगवत किया।

त्रिलोकपुर में तीसरे दिन लगभग 12 हजार श्रद्धालुओं ने किए माता के दर्शन

नाहन

जिला मुख्यालय नाहन से कुछ ही दूर त्रिलोकुपुर में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता बालासुन्दरी मन्दिर में चल रहे आश्विन नवरात्र पर्व के तीसरे दिन लगभग 12 हजार श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। जिला उपायुक्त एवं आयुक्त त्रिलोकपुर मन्दिर न्यास राम कुमार गौतम ने बताया कि तीसरे दिन माता को लगभग 19 लाख 11 हजार 305 रुपए नगद राशि और 915 ग्राम चांदी चढ़ावे के रूप में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन द्वारा जारी कोरोना सम्बन्धी दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए माता के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मेले के अवसर पर सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए हुए है तथा यात्रियों के ठहरने का प्रबंध भी किया हुआ है जो भी वहां ठहरना चाहता हो।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने लिया चुनावी प्रबंधों का जायजा

मंडी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी.पालरासू ने मंडी जिला में चुनावी प्रबंधों का जायजा लेने के लिए उपायुक्त कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में व्यय पर्यवेक्षक भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विमल कुमार मीणा, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अरिंदम चौधरी, पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री, अतिरिक्त उपायुक्त जतिन लाल एवं अतिरिक्त जिलादंडाधिकारी राजीव कुमार, सहायक आयुक्त संजय कुमार, एसडीएम पधर, मंडी सदर व बल्ह सहित निर्वाचन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

घटिया राजनीति करती है कांग्रेस पार्टीः रणधीर शर्मा

मंडी

मंडी में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर 5 आरोप तय किए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है और राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कांग्रेश परिवारवाद को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी परिवार के लोगों को ही टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा जा रहा है। भाजपा ने आम कार्यकताओं को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा है। रणधीर शर्मा ने दूसरा आरोप कांग्रेस पार्टी पर यह लगाया है कि कांग्रेस पार्टी

स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के नाम पर वोट मांग रही है जबकि कांग्रेस की प्रत्याशी प्रतिभा सिंह को चाहिए था कि वे अपने दो बार सांसद के कार्यकाल में उन्होंने जो कार्य किए हैं, उनके आधार पर वोट मांगती तो बेहतर रहता लेकिन वह वीरभद्र सिंह के नाम पर लोगों से वोट मांग रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बदले की भावना से कार्य करने के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि मंडी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी प्रतिभा सिंह के सुपुत्र विधायक विक्रमादित्य सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के कर्मचारी नेताओं पर उठक बैठक करने और उनकी सरकार आने पर उन्हें पटक-पटक कर फेंकने की बात कही है, जिसकी भारतीय जनता पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इन नेताओं के पास मनगढ़ंत आरोप लगाने के अलावा कुछ भी नहीं है और वह बिना सबूतों या प्रमाण के भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हैं जिसके इनके पास कोई प्रमाण नहीं होते। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश भाजपा के सचिव पायल वैद्य, जिला भाजपा अध्यक्ष रणबीर सिंह, सहित आदि उपस्थित थे।

संपादक की कलम से..

अल्जाइमर के प्रति जागरूकता जरूरी

डिमेंशिया (मनोभ्रंश) और अल्जाइमर रोग के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 सितम्बर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में तो अल्जाइमर ही हर सातवीं मौत का प्रमुख कारण है, जहां 65 वर्ष से अधिक आयु के अधिकांश लोग अल्जाइमर से मर जाते हैं। दरअसल उम्र बढ़ने के साथ कई प्रकार की बीमारियां शरीर को निशाना बनाना शुरू कर देती हैं और ऐसी ही बीमारियों में से एक बुढ़ापे में भूलने की आदतों की बीमारी अल्जाइमर-डिमेंशिया है। आंकड़ों के मुताबिक चीन में अल्जाइमर के रोगियों की संख्या पूरी दुनिया में पहले स्थान पर है लेकिन वहां इस रोग के उपचार की दर अपेक्षाकृत कम है, जिसका सबसे बड़ा कारण वहां बुजुर्ग आबादी की लगातार बढ़ती जनसंख्या के अलावा अधिकांश लोगों के मनोमस्तिष्क में इस बीमारी के बारे में व्याप्त गलतफहमी भी है। वर्तमान में चूंकि अल्जाइमर रोग का कोई इलाज नहीं है, इसीलिए इस रोग की गंभीरता के कारण कुछ देशों में पूरे सितंबर महीने को ही विश्व अल्जाइमर माह के रूप में मनाया जाता है। बैंगनी रंग का रिबन अल्जाइमर का प्रतिनिधित्व करता है। अल्जाइमर एक भूलने की बीमारी है और इस बीमारी का यह नाम 1906 में इस बीमारी का पता लगाने वाले जर्मनी के मनोचिकित्सक और न्यूरोपैथोलॉजिस्ट एलोइस अल्जाइमर के नाम पर ही रखा गया। उन्होंने एक असामान्य मानसिक बीमारी से मरने वाली एक महिला के मस्तिष्क के ऊतकों में परिवर्तन देखने के बाद इस बीमारी का पता लगाया था। वास्तव में अल्जाइमर एक ऐसा न्यूरोलॉजिक डिसऑर्डर है, जिससे ब्रेन सिकुड़ना, ब्रेन सेल्स डाई इत्यादि समस्याएं उत्पन्न होती हैं। विश्व अल्जाइमर दिवस मनाने के पीछे का उद्देश्य अधिकाधिक लोगों को अल्जाइमर रोग के कारणों, लक्षणों और गंभीरता के बारे में जागरूक करना है। विश्व अल्जाइमर दिवस की शुरूआत अल्जाइमर डिजीज इंटरनेशनल (एडीआई) की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 21 सितम्बर 1994 को एडिनबर्ग में एडीआई के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर की गई थी। इस वर्ष 21 सितम्बर को 28वां विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जा रहा है, जिसकी थीम है डिमेंशिया को जानें, अल्जाइमर को जानें। प्रायः देखा जाता है कि बढ़ती उम्र के साथ कुछ लोगों में भूलने की आदत विकसित होने लगती है। ऐसे में लोगों को कुछ भी याद नहीं रहता, उन्हें किसी को पहचानने में भी दिक्कत आती है। कुछ मामलों में तो यह भी देखा जाता है कि यदि कोई बुजुर्ग व्यक्ति बाहर टहलकर आता है तो वापस लौटने पर उसे अपना ही घर पहचानने में परेशानी होती है। हालांकि ऐसी स्थितियों को अक्सर समाज में यही सोचकर काफी हल्के में लिया जाता है कि बढ़ती उम्र के साथ ऐसा होना स्वाभाविक है लेकिन वास्तव में यह बढ़ती उम्र की कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है बल्कि उनमें पनपने वाली अल्जाइमर नामक बीमारी है, जिसमें लोग धीरे-धीरे सब कुछ भूलने लगते हैं। स्मरण शक्ति कमजोर करने वाली यह बीमारी अधिकांशतः बुजुर्गों को ही होती है लेकिन आज के समय में युवा भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। और पिछले कुछ वर्षों से इस बीमारी के मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी देखी गई है। भारत में इस समय करीब 53 लाख लोग किसी न किसी प्रकार के डिमेंशिया से पीड़ित हैं। अनुमान है कि वर्ष 2025 तक केवल 60 वर्ष से अधिक आयु के ही करीब 64 लाख व्यक्ति डिमेंशिया से पीड़ित होंगे। दिमाग से जुड़ी भूलने की यह बीमारी मस्तिष्क की नसों को नुकसान पहुंचने के कारण होती है। मस्तिष्क में प्रोटीन की संरचना में गड़बड़ी होने के कारण इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। इस बीमारी में व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी स्मरण शक्ति खोने लगता है। इसलिए इस बीमारी को लेकर जागरूकता और इसका उचित इलाज बेहद आवश्यक है। हालांकि अभी तक विश्वभर में अल्जाइमर रोग का कोई स्थायी इलाज नहीं है लेकिन कुछ दवाओं के जरिये अस्थायी रूप से लक्षणों को कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी सावधानियां और व्यायाम इस बीमारी में सहायक सिद्ध होते हैं। जीवनशैली में बदलाव करके कुछ हद तक इस बीमारी से बचा जा सकता है। ध्यान और योग से भी इस बीमारी से काफी हद तक राहत मिल सकती है। मस्तिष्क में होने वाली कुछ जटिल परेशानियां ही इस रोग का कारण हैं लेकिन इस बीमारी के सही कारण अब तक ज्ञात नहीं है। डिमेंशिया अल्जाइमर रोग का सबसे समान्य रूप है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर देता है, जिस कारण याद्दाश्त में कमी और परिवर्तन, अनियमित व्यवहार तथा शरीर की प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचता है। बीमारी के शुरूआती लक्षणों पर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण अल्जाइमर रोग बढ़ता जाता है और धीरे-धीरे विकसित होती मस्तिष्क की यह बीमारी गंभीर हो जाती है, जिसके बाद इसका कोई इलाज नहीं होता। रोग का प्रभावी ढ़ंग से उपचार करने के लिए इस बीमारी का शीघ्र पता लगने से ही लाभ होता है। इसके सबसे सामान्य शुरूआती लक्षणों में हालिया घटनाओं को याद रखने में कठिनाई आती है। अल्जाइमर के प्रमुख लक्षणों में व्यक्ति के स्वभाव में बदलाव, रात में नींद कम आना, हालिया , आंखों की रोशनी कम होने लगना, छोटे-छोटे कार्यों में भी परेशानी होना, अपने ही परिवार के सदस्यों को नहीं पहचान पाना इत्यादि प्रमुख हैं।

उत्तर प्रदेश की बेहतरी के साढ़े चार साल

सियाराम पांडेय 'शांत'

सरकार किसी भी दल की हो, उसके पास व्यवस्था को जानने और समझने के लिए केवल पांच साल ही होते हैं। यह अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार समय-समय पर अपने काम का रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत करती रही है। यह और बात है कि विपक्ष उसकी आलोचना करता रहा है। इसबार भी बसपा प्रमुख मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी के साढ़े चार साल में हुए विकास कार्यों के दावों को झूठा करार दिया है। अखिलेश यादव ने तो सरकार द्वारा प्रकाशित बुकलेट को अंतरराष्ट्रीय झूठ प्रशिक्षण केंद्र की पाठ्य पुस्तिका करार दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी योगी आदित्यनाथ के संभाषण में पांच झूठ तलाशने की कोशिश की है लेकिन इन सबसे इतर योगी आदित्यनाथ ने 2007 से 2017 तक के विकास कार्यों और 2017 से सितंबर 2021 तक हुए विकास कार्यों की तुलनात्मक रिपोर्ट पेश कर विपक्ष की पेशानियों पर एकबार फिर बल ला दिया है। सच तो यह है कि विपक्ष योगी सरकार के कार्यकाल के एक-एक दिन तो गिन ही रहा है, अपने पराभव के दिन भी गिन रहा है लेकिन योगी सरकार जिस द्रुत गति से काम कर रही है, उसकी आलोचना के लिए भी उसे सटीक शब्द नहीं मिल रहे हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने आज 16 पेज का 16 आने झूठ प्रकाशित किया है। यह तो उन्हें भी पता है कि थोड़ा बहुत झूठ तो चलता है लेकिन शत-प्रतिशत झूठ नहीं चलता। रफूगर पैबंद नहीं लगाया करते। 19 सितंबर को उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यकाल के साढ़े चार साल पूरे हुए हैं तब भी उसने अपने अब तक के काम का ब्यौरा दिया है। साढ़े चार साल का समय बहुत नहीं होता लेकिन अगर उसका सही नियोजन किया जाए तो बहुत कुछ असाधारण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां साढ़े चार साल के अपने कार्यकाल में साढ़े चार लाख युवाओं को रोजगार देने का दावा किया है, वहीं यह भी बताया है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश देश में अगर दूसरे स्थान पर है तो 44 योजनाओं में वह अव्वल है। उन्होंने जाति और धर्म का विचार किए बगैर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने ,उनकी 1866 करोड़ की संपत्ति को ध्वस्त और जब्त करने की बात की है। प्रदेश की जनता को वे यह बताना और जताना भी नहीं भूले कि उनसे पहले के

मुख्यमंत्री अपने लिए बड़ी-बड़ी हवेली बनाते थे और इस बाबत प्रतिस्पर्धा करते थे, लेकिन हमने अपने कार्यकाल में 42 लाख जरूरतमंदों के लिए आवास बनाए हैं। उन्होंने कहा है कि वर्ष 2007 से 2017 तक दस साल में महज 95 हजार करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया था जबकि बीते 4.5 साल में 1.44 लाख करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य का रिकॉर्ड भुगतान हुआ है। 66 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद सीधे किसानों से की गई है। पिछली सरकार में मात्र 6 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी, वह भी किसानों से नहीं, आढ़तियों से। विपक्ष के चुनावी वादे पूरे न करने के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सुस्पष्ट किया है कि भाजपा ने 2017 में जो वादे किए थे, उन सभी को पूरा किया है। योग्यता के आधार पर भर्तियां की गई हैं। सभी नियुक्तियां वर्षों से लंबित थीं, क्योंकि पिछली सरकारों में ईमानदारी का अभाव था। भर्ती निकलती थी तो पूरा खानदान वसूली के लिए निकल पड़ता था। पहले ट्रांसफर पोस्टिंग एक उद्योग बन चुका था। हमने प्रशासनिक स्थिरता दी। सुरक्षा का माहौल बना तो प्रदेश निवेश भी आया। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को देश में रुकावट पैदा करने वाला प्रदेश माना जाता था लेकिन आज उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों का नजरिया बदला है। किसान कर्जमाफी से लेकर किसान कल्याण की योजना आगे बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में भरपूर जल संसाधन होने के बाद योजनाओं के क्रियान्वयन के अभाव में किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन आज हालात बदल गए हैं। किसान जल संसाधनों का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। पहले चीनी मिलें लगातार बंद होती गईं। किसान आत्महत्या कर रहे थे। हमने उन चीनी मिलों को लगातार चलाया। कोरोना काल में भी वे चलती रहीं। प्रयागराज कुंभ, बनारस में प्रवासी भारतीय सम्मेलन, अयोध्या दीपोत्सव, बरसाना रंगोत्सव का आयोजन कर हमने धार्मिक पर्यटन, भारतीय संस्कृति और सभ्यता को भी बल दिया। एक दर्जन से अधिक सिंचाई परियोजनाएं सिर्फ बुंदेलखंड में पूर्ण हुईं। पिछली सरकारें तो वहां झांकने तक नहीं गईं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। जेवर, कुशीनगर और अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का चल रहा निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। सीएए के विरोध प्रदर्शन में सरकारी संपत्तियों को क्षति पहुंचाने वालों से वसूली,बेहतर पुलिसिंग के लिए लखनऊ, नोएडा, कानपुर नगर एवं वाराणसी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू की गई। जबरन धर्म परिवर्तन पर रोक के लिए उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक की मंजूरी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सेफ सिटी परियोजना एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में एफआईआई काउंटर खोले गए। 214 नए थाने बनाए गए। लखनऊ में पुलिस फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी का निर्माण शुरू हुआ। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन एवं एसडीआरएफ और स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स गठित की गई। हर जनपद में साइबर सेल एवं जोन में साइबर पुलिस थाने की स्थापना हुई। आतंकी गतिविधियों पर रोक के लिए स्पेशल पुलिस ऑपरेशन टीम का गठन किया गया। एक लाख 43 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं 76 हजार अराजपत्रित पुलिसकर्मियों की पदोन्नति की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मानें तो प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 42 लाख आवास बने। 2007 से 2016 तक इंदिरा आवास योजना के तहत मायावती सरकार में 16 लाख और अखिलेश सरकार में 13 लाख और योगी सरकार में 42 लाख से अधिक आवासों का निर्माण हुआ। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में एक लाख 8 हजार 495 आवासों का निर्माण हुआ। मुसहर, वनटांगिया वर्ग व कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवारों को 50,602 आवास दिए गए।

वनटांगिया गांवों को राजस्व गांव का दर्जा पहली बार दिया गया। उज्ज्वला योजना के तहत अखिलेश सरकार ने 55.31 लाख और योगी सरकार ने एक करोड़ 67 लाख एलपीजी कनेक्शन दिए। योगी सरकार ने 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ के ऋण माफ किया। गन्ना किसानों को 1.44 लाख करोड़ से अधिक गन्ना मूल्य का भुगतान किया। 476 लाख मीट्रिक टन चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन किया। खांडसारी इकाइयों को निःशुल्क लाइसेंस दिया। एमएसपी में दोगुना तक वृद्धि की।435 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न की सरकारी खरीद की। किसानों को 79 हजार करोड़ का भुगतान किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में दो करोड़ 53 लाख 98 हजार किसानों को 37,388 करोड़ हस्तांतरित किए। 2399 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन किया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को 2376 करोड़ की क्षतिपूर्ति की। किसानों को 4 लाख 72 हजार करोड़ फसली ऋण का भुगतान किया। 45 कृषि उत्पादों को मंडी शुल्क से मुक्त किया। मंडी शुल्क एक प्रतिशत कम किया। 220 मंडियों का आधुनिकीकरण और 291 ई नाम मंडी की स्थापना की। बालिकाओं को स्नातक स्तर तक निशुल्क शिक्षा, एक करोड़ 67 लाख मातृशक्तियों को उज्ज्वला योजना में मुफ्त गैस कनेक्शन, सीएम कन्या सुमंगला योजना से 9 लाख 36 हजार बेटियों को लाभ, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 1.52 लाख से अधिक निर्धन कन्याओं का विवाह, पीएम मातृ वंदना योजना में 40 लाख माताएं लाभान्वित हुईं। प्रदेश के सभी 1535 थानों में पहली बार महिला हेल्प डेस्क बनी। महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए 218 नए फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित हुए। 81 मजिस्ट्रेट स्तरीय न्यायालय व 81 अपर सत्र की स्थापना हुई। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना में एक करोड़ 80 लाख बच्चियों को लाभ मिला। करीब 56 हजार महिलाएं बैंकिंग सखी के रूप में कार्य कर रही हैं।

चौटाला की जींद रैली और विपक्षी एकता के यक्ष प्रश्न

- राजेंद्र शर्मा

इस समर्थन के लिए इसका भरोसा होना भी जरूरी है कि संघ-भाजपा के सत्ता से हटाने का दावा करने वाली विपक्षी कतारबंदी, सचमुच आम जनता के हितों की रक्षा करेगी, उन्हें आगे बढ़ाएगी। जनता के मुद्दों पर संघर्ष के पक्ष में विपक्ष की बढ़ती एकता, ऐसा भरोसा दिलाने वाला राजनीतिक-नीतिगत मंच बनाएगी और विपक्षी पार्टियों को उसके प्रति प्रतिबद्ध भी करेगी। ऐसी एकता ही विपक्षी पार्टियों की बढ़ती संख्या को अंध-कांग्रेसविरोध की वैचारिक ग्रस्तता से भी निकालेगी। यह भारत में विपक्षी एकता का सीजन है। विपक्षी एकता के चर्चे हवाओं में हैं। ऐसे में अचरज की बात नहीं है कि शिक्षक भर्ती घोटले में अपनी सजा पूरी कर, हरियाणा में फिर से अपनी राजनीतिक जमीन दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रहे ओमप्रकाश चौटाला, ऐलान कर गैर-कांग्रेसी, गैर-भाजपा पार्टियों को एकजुट करने के लिए मैदान में कूद पड़े हैं। इस अभियान के लिए, उनके लिए चौधरी देवीलाल के जन्म दिन पर आयोजित रैली से उपयुक्त दूसरा मौका नहीं हो सकता था। आखिरकार, चौधरी देवीलाल इमर्जेंसी के दौर से सामने आई कांग्रेसविरोधी विपक्षी एकता के प्रमुख स्तंभों में एक रहे थे और इसी विपक्षी एकता के बल पर देश के उप-प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचे थे। 25 सितंबर को जींद में आयोजित रैली के लिए, लगभग तमाम गैर-कांग्रेस, गैर-भाजपा पार्टियों को आमंत्रित किया गया है और चौटाला ने खुद कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया है। बिहार की जदयू-भाजपा गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार के साथ उनकी मुलाकात ने खासतौर पर लोगों का ध्यान खींचा है। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा अपने आंदोलन के दस महीने पूरे होने पर प्रस्तावित, भारत बंद की तारीख, आगे खिसका कर 27 सितंबर किया जाना, देवीलाल के नाम के महत्व की ओर ही इशारा करता है। बेशक, यह तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि जींद रैली में अंततः कौन-कौन से नेता जुटते हैं? इससे भी महत्वपूर्ण सवाल यह है कि विपक्षी नेताओं के इस जमावड़े से क्या विपक्षी एकता के प्रयासों को क्या कोई वास्तविक गति मिलेगी? वास्तव में यह कहना गलत नहीं होगा कि विपक्षी नेताओं के इस जमावड़े के जरिए, ओमप्रकाश चौटाला की पहली कोशिश तो देवीलाल के असली उत्तराधिकारी के रूप में अपना दावा मजबूत करने तथा अपने सहारे पार्टी के आईएनएलडी गुट की ताकत बढ़ाने की ही होगी। उनकी कोशिश होगी कि देवीलाल की विरासत की लड़ाई में, बागी होकर भाजपा के साथ गठजोड़ सरकार में मुख्यमंत्री बन गए, अपने पोते दुष्यंत चौटाला की जेजेपी को, अगर बेदखल नहीं भी किया जा सके तो, इतना कमजोर जरूर कर दिया जाए कि वह खुद, किसी सुलह-समझौते के लिए मजबूर हो जाए। इसी से आईएनएलडी अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने की उम्मीद कर सकती है। सभी जानते हैं कि करीब दस महीने से जारी किसान आंदोलन के निशाने पर, हरियाणा सरकार के हिस्से के तौर पर दुष्यंत चौटाला की पार्टी भी आई है और इसे ओमप्रकाश चौटाला गुट, देवीलाल की विरासत के अपने दावे को मजबूत करने के लिए, सबसे अनुकूल मौका मान रहा है। इसलिए, जींद रैली में किसान आंदोलन का खूब जोर-शोर से समर्थन किया जाना भी तय है। वैसे भी देवीलाल की छवि तो चौधरी चरणसिंह के बाद, उत्तरी भारत के सबसे बड़े किसान नेता की ही है। अचरज नहीं होगा कि जींद रैली, अन्य अनेक गैर-कांग्रेसी विपक्षी नेताओं को एक मंच पर लाने के अलावा एक ओर प्रकाशसिंह बादल और दूसरी ओर नीतीश कुमार को एक मंच पर लाने में कामयाब हो जाए। किसान आंदोलन के दबाव में ही अकाली दल को, सत्ताधारी एनडीए से नाता तोड़ना पड़ा था, जबकि नीतीश कुमार और भाजपा के रिश्तों की असहजता किसी से छुपी नहीं है। दोनों अगर जींद रैली में पहुंचते हैं, तो यह एक बड़ी खबर होगी और इससे विपक्षी एकता के प्रयासों में एक नया तत्व जुड़ेगा। असंभव नहीं है कि विपक्षी एकता के प्रयासों के प्रति अब तक आम तौर पर उदासीन ही रहीं क्षेत्रीय पार्टियों में से भी किसी पार्टी की हाजिरी इस रैली में नजर आ जाए। अगर ऐसा होता है तो प्रकटतः इससे विपक्षी एकता के प्रयासों को कांग्रेस-विरोधी रास्ते पर ले जाने की कोशिशों को, कुछ न कुछ बल अवश्य मिलेगा। फिर भी, ज्यादा से ज्यादा निरंकुश होते मोदी निजाम के मुकाबले, एक वास्तविक अखिल भारतीय विकल्प के उभरने में, इससे कोई खास प्रगति होने की संभावना दिखाई नहीं देती है। इसकी वजह यह है कि इस तरह की कोई भी पहल, विपक्षी एकता के अंकगणित के एक साधारण से किंतु निर्णायक प्रश्न का उत्तर देने में असमर्थ है। प्रश्न यह है कि भाजपा के साथ ही, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, कांग्रेस को भी निशाने पर लेकर चलने वाला ऐसा कोई भी प्रयास, मोदी राज का व्यावहारिक विकल्प कैसे पेश कर सकता है?

वास्तव में व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो, भाजपा के साथ ही कांग्रेस के भी विरोध से संचालित विपक्षी एकता की कोई भी कोशिश, मोदी सरकार के खिलाफ संसद के मानसून सत्र में जिस हद तक विपक्षी एकता देखने को मिली है, उसे आगे ले जाने के बजाय, उसे तोड़ने का ही दबाव बना रही होगी। इस लिहाज से इसे विपक्षी एकता की कोशिश कहना भी कितना सही होगा, यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है? इसे तो विपक्ष को बांटने की ही कोशिश माना जाएगा। और ठीक इसीलिए, ऐसी किसी भी कोशिश का जनता के अनुमोदन के अभाव में टांय-टांय फिस्स होकर रह जाना या अंततः विपक्षी ध्रुव में खुद को समायोजित करने पर मजबूर हो जाना तय है। भाजपा-आरएसएस के केंद्र में सत्ता में आने के बाद, "तीसरे मोर्चे" की राजनीति के दिन सचमुच खत्म हो चुके हैं, जो कांग्रेस के राजनीतिक वर्चस्व के दौर में और उसके सामने व्यावहारिक चुनौती पेश करने के लिए उभरकर सामने आई थी। बाबरी मस्जिद के ध्वंस के साथ ही, तीसरे मोर्चे की राजनीति का भी अंत हो गया। 1996-97 के दौरान आईं देवगौड़ा तथा गुजराल की संयुक्त मोर्चा सरकारें, भाजपा के नेतृत्व वाले गठजोड़ के वर्चस्व के खिलाफ केंद्रित और कांग्रेस द्वारा समर्थित थीं। यूपीए-1 के दौर में, विपक्षी ध्रुव पर कांग्रेस और अन्य ताकतों के बीच का समीकरण पलट गया, जबकि विरोधी ध्रुव पर एनडीए ही बना रहा। और जहां तक वर्तमान का सवाल है, यह समझने के लिए राजनीति का विशेष ज्ञान होने की जरूरत नहीं है कि 2019 के चुनाव में 40 फीसद से ज्यादा वोट जुटाने में समर्थ हुए, मोदी-आरएसएस के नेतृत्व वाले मोर्चे को व्यावहारिक चुनौती, इस मोर्चे के खिलाफ या उससे बाहर पड़े करीब 60 फीसद वोट को कमोबेश एक ध्रुव पर इकठ्ठा करने में समर्थ विपक्षी एकता से ही दी जा सकती है। वक्त का तकाजा है, व्यापक से व्यापक दूसरा मोर्चा, न कि तीसरे-चौथे मोर्चे खड़े करने की विभाजनकारी कवायद। लेकिन, यह दूसरा मोर्चा या व्यावहारिक विकल्प, सिर्फ अंकगणित का प्रश्न नहीं है। बेशक, प्रशांत किशोर का चर्चित अंकगणित, ऐसे मोर्चे की दिशा में बढ़ने में कुछ मददगार लगता है। इस अंकगणित का मूल सूत्र यह है कि दो सौ-सवा दो सौ सीटों पर कमोबेश सीधे, कांग्रेस और भाजपा का मुकाबला होना है। इन सीटों पर विपक्ष की ओर से कांग्रेस ही भाजपा तथा उसके सहयोगियों को चुनौती दे। और शेष तीन सौ से ज्यादा सीटों पर, जहां जो पार्टी क्षेत्रीय रूप से मजबूत है, वही अधिकतम-संभव एकता के साथ विपक्ष की ओर से सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती दे। इस तरह की थोड़ी ढीली-ढाली विपक्षी कतारबंदी, एक व्यावहारिक चुनौती बन सकती है। लेकिन, यह गणित कागज पर जितना आसान लगता है, उसे व्यवहार में उतारना उतना ही मुश्किल बल्कि असंभव है। फिलहाल तो स्थिति यह है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा ओडिशा के सत्ताधारी क्षेत्रीय दल, न सिर्फ सचेत रूप से विपक्षी एकता के सभी प्रयासों से दूर बने रहे हैं बल्कि संसद में जब-तब मोदी राज की मदद भी करते रहे हैं। वास्तव में कांग्रेस-विरोधी मुद्रा, उनके इस रुख के लिए सैद्धांतिक जामा मुहैया कराती है। इतना ही नहीं, बसपा तथा यहां तक कि सपा भी, सबसे बढ़कर उत्तर प्रदेश में विपक्ष में अपने वर्चस्व की चिंता में, विपक्षी एकता के प्रयासों के प्रति दुविधापूर्ण स्थिति बनाए रहे हैं। कहने का अर्थ यह कि वैकल्पिक कतारबंदी के प्रश्न का अंकगणित के प्रश्न के रूप में हल होना मुश्किल बल्कि असंभव ही है। वास्तव में इस प्रश्न को रसायन-गणित यानी रसायन आधारित अंकगणित के प्रश्न के रूप में ही हल किया जा सकता है। यह रसायन आएगा जनता की इच्छा से, उसके समर्थन से। विपक्षी एकता में यह रसायन सिर्फ मोदी राज के विरुद्ध विपक्षी नेताओं को जमा करने से नहीं पैदा होगा। यह रसायन पैदा होता है अपने हितों के लिए, जनता के प्रमुख हिस्सों की शासन से टक्कर से। संघर्षों के बीच से अपने वास्तविक हितों के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक होती और अपने हितों के अनुकूल पड़ने वाली राजनीति तथा राजनीतिक ताकतों को ज्यादा से ज्यादा पहचानती जनता का दबाव ही, न सिर्फ मौजूदा सत्ताधारियों से बाहर की सभी ताकतों पर एकजुट होने का दबाव बनाएगा, बल्कि खुद सत्ताधारियों के जनसमर्थन को उत्तरोत्तर कमजोर करेगा। ऐतिहासिक किसान आंदोलन ने मोदी राज और भाजपाई राज्य सरकारों के खिलाफ भी जन गोलबंदी का रास्ता दिखा दिया है। खासतौर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस आंदोलन ने, सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति के संघ-भाजपा के मुख्य हथियार को काफी भोंथरा कर के भी दिखा दिया है। इसी तरह मजदूरों, रोजगार की तलाश में भटकते युवाओं और अपनी सुरक्षा व अधिकारों के लिए लड़ते दलितों, महिलाओं तथा अल्पसंख्यकों के संघर्षों में, यह रसायन बन रहा है और आगे-आगे और तेजी से बनेगा। इन मुद्दों पर विपक्षी पार्टियों की बढ़ती संख्या का सामने आना, इसी रसायन-गणित के एक और तत्व की ओर भी इशारा करता है। यह तत्व है, विपक्ष की एकता की सारवस्तु का। समर्थन के लिए इसका भरोसा होना भी जरूरी है कि संघ-भाजपा के सत्ता से हटाने का दावा करने वाली विपक्षी कतारबंदी, सचमुच आम जनता के हितों की रक्षा करेगी।

उद्यानिक बनेगा आधार, मिलेगा रोजगार

सरकार का है प्रयास, कृषि का हो चौमुखी विकास

आनंद

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार कृषि के चौमुखी विकास पर फोकस कर लोगों को रोजगार देने और उनकी आय बढ़ाने में जुटी है। इसी के तहत अब उद्यानिकी को स्वरोजगार का आधार बनाने की कवायद शुरू की गई है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार की ओर से बजट भी निर्धारित किया गया है। किसानों, युवाओं और महिलाओं को उद्यानिकी से जुड़ी योजनाओं के तहत विभिन्न तरह के प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम हैं। योजना का उद्देश्य उद्यानिकी फसलों का बहुमुखी विकास व कृषकों की आय में वृद्धि करना है। साथ ही उद्यानिकी के लिए अनुकूल झारखण्ड के मौसम, मिट्टी और पारिस्थितिकी का लाभ राज्यवासियों को देना है। राज्य के सभी जिलों में उद्यानिकी फसलों के बहुमुखी विकास के लिए पंचायत स्तर पर चयनित बागवानी मित्रों, प्रखंड स्तर पर कार्यरत उद्यान मित्रों और कृषकों को उद्यानिकी फसलों की तकनीकी खेती से संबंधित जानकारी के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसमें प्रशिक्षण के दौरान मिलनेवाला भत्ता, भोजन, आने-जाने, ठहरने व प्रमाणपत्र देने की व्यवस्था राज्य सरकार करेगी।

शहरी क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा माली का प्रशिक्षण- योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के युवाओं को माली का प्रशिक्षण भी दिया जाना है। इससे जहां शहरी क्षेत्रों में बागों, पार्कों के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं युवा आत्मनिर्भर भी होंगे। यह प्रशिक्षण राज्य सरकार और भारत सरकार के चिह्नित संस्थानों या एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से होगा। माली का नि:शुल्क प्रशिक्षण 25 दिन का होगा।

मिर्च और मशरूम की खेती का प्रशिक्षण- मिर्च व मशरूम की खेती को बढ़ावा देना भी पहल का हिस्सा है। जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत आनेवाले 13 जिलों रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, दुमका, पाकुड़, लातेहार के 420 हेक्टेयर, क्षेत्रीय योजना के तहत हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, चतरा, धनबाद, पलामू एवं बोकारो सहित 11 जिलों के 210 हेक्टेयर एवं अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के अन्तर्गत हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा, बोकारो, कोडरमा, गढ़वा, धनबाद पलामू एवं बोकारो सहित 11 जिलों में 700 हेक्टेयर क्षेत्र में मिर्च की खेती को बढ़ावा देने की योजना है। साथ ही मशरूम उत्पादन के लिए सभी जिलों के कृषकों को नई तकनीक पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जायेगा।

खुले वातावरण में फूल और पपीता की खेती को बढ़ावा- कृषक फूलों की खेती के लिए प्रेरित हों, इसके लिए सरकार प्रयासरत है। इसके लिए राज्य के सभी जिलों में चयनित स्थलों पर फूल की खेती की जायेगी। राज्य में कुल 1000 हेक्टेयर क्षेत्र में फूल की खेती को बढ़ावा दिया जायेगा। पपीता को पौष्टिक फलों की श्रेणी में रखा जाता है। पपीता की खेती को सरकार प्रोत्साहित कर रही है। इससे जहां किसानों की आय में वृद्धि होगी, वहीं ग्रामीणों को भी पौष्टिक फल सुलभ होगा। सरकार ने राज्य के विभिन्न जिलों में वित्तीय वर्ष 2021-22 में करीब आठ लाख पपीते के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। पपीता पौध उत्पादकों के माध्यम से पौधा उपलब्ध कराया जायेगा। जो किसान खुद पपीते का पौधा तैयार करेंगे, उन्हें भी सरकार विशेष अनुदान राशि देगी। कृषकों को टिश्यू कल्चर, स्ट्राबेरी, पॉली हाउस निर्माण, सब्जी की खेती, गृह वाटिका की स्थापना आदि को भी प्रशिक्षण से जोड़ने की योजना है। इस प्रशिक्षण से युवाओं और कृषकों को काफी लाभ होगा। जहां एक ओर वे आधुनिक तरीके से उद्यानिकी के बारे जानेंगे, वहीं राज्य भी फलों, सब्जियों के मामले में और अधिक आत्मनिर्भर होगा।

"उद्यानिक फसलों के बहुमुखी विकास के साथ कृषकों की आय में अधिक से अधिक वृद्धि के उदेश्य से उद्यान विकास की योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य के किसान और युवा आधुनिक और समय की मांग के अनुसार फलों, सब्जियों और फूलों की खेती को अपना कर आर्थिक स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करें।" **- निशा उरांव, निदेशक, कृषि विभाग**

गुंडई से नहीं उसकी शराफत से शिकायत है

डॉ. सुरेश कुमार

इक्कीसवीं सदी की बैलगाड़ी अब पहले से अडवांस हो गयी है। हाँकने वाला सरताज बना बैठा है और बैल उसका दुश्मन। दुश्मन को अपने हिसाब से चलाने के लिए छापा मारने वालों को चाबुक बना रखा है। जब मन चाहा तब चाबुक का इस्तेमाल किया। अपना मतलब साध लिया। पहले इस्तेमाल करो, फिर विश्वास करो की तर्ज पर काम करने वाला चाबुक कपड़ा धोने वाले साबुनो का भी बाप है। कपड़ा धोने वाले साबुन मैल निकाले या न निकाले, चाबुक चमड़ी सहित सब कुछ उघेड़ने की पूरी गारंटी देता है। इसलिए यहाँ सरताज बदलते है, चाबुक का अंदाज नहीं। एक दिन ऐसे ही सरताज के आगे-पीछे घूमने वाले दुम टाइप सेक्रेटरी ने पूछ लिया, साहब! आपने उस बंदे पर छापा क्यों मरवाया? वह तो अच्छा भला काम कर रहा था। लोगों की मदद कर रहा था। साहब ने कहा, सबसे पहले तो हमने छापा नहीं मारा। सर्वे करवाया है। जो चीज पता नहीं होती उसके लिए सर्वे और जो चीज पता होती है उसके लिए छापे का इस्तेमाल किया जाता है। हाँ यह अलग बात है कि सर्वे के धड़ से छापे की दुम हमेशा चिपकी रहती है। दोनों को अलग करना तालाब में से आँसू ढूँढ़ने के बराबर है। सरकार अपने समान खड़े होने वाले को सरकाने का काम करती है। बड़ा हो जाए तो वामन बनकर दबाने का काम करती है। कुल मिलाकर अच्छा करने वाले को बुरा करने पर मजबूर करती है। वैसे भी हमने जिस पर छापा मारा है वह कौनसा दूध का धुला है।

आईएमएफ का महंगाई से पस्त पाकिस्तान को तगड़ा झटका, कहा-बिजली दरें और टैक्स बढ़ाओ

इस्लामाबाद। आर्थिक मंदहाली व महंगाई की मार से जूझ रहे पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने तगड़ा झटका दिया है। IMF ने पाकिस्तान को कड़े शब्दों में इंकम टैक्स और बिजली शुल्क बढ़ाने की मांग की है। पाकिस्तानी मीडिया ARY न्यूज के मुताबिक ढ्ढस्त्र अधिकारियों और पाकिस्तान के बीच 1 बिलियन अमरीकी डालर की ऋण किस्त जारी करने को लेकर हुई वर्चुअल मीटिंग में ढ्ढस्त्र ने पाकिस्तान की सरकार को कहा है कि वो पहले देश में बिजली की दरों को बढ़ाए। रिपोर्ट के मुताबिक IMF ने कहा कि, 'बिजली की दरों में 1.40 रुपए प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की जानी चाहिए।' IMF ने पाकिस्तान की सरकार को सिर्फ बिजली बिल ही बढ़ाने के लिए नहीं कहा बल्कि देश में इंकम टैक्स, सेल्स टैक्स और रेगुलेटरी ड्यूटी कलेक्शन बढ़ाने के लिए कदम उठाने को कहा है। IMF व पाकिस्तना की फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू ने इस संदर्भ में तीन दिन वर्चुअल वार्ता की है। IMF द्वारा 1 बिलियन अमरीकी डालर की ऋण किस्त के लिए बातचीत चल रही है और यह यह बातचीत इस हफ्ते भी जारी रहने वाली है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने बताया कि अगस्त में देश को विशेष आहरण अधिकार आबंटन के हिस्से के रूप में ढ्ढस्त्र से 2.75 बिलियन अमरीकी डालर प्राप्त हुए हैं। बता दें कि अफगानिस्तान में एक डॉलर की वैल्यू 171 पाकिस्तानी रुपए के बराबर हो चुकी है। ऐसे में आप पाकिस्तान में महंगाई की क्या स्थिति हो सकती है, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता।

अफगानिस्तानः वार्ताओं का नया दौर, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में तालिबान का बढ़ा महत्व

काबुल। अफगानिस्तान को लेकर कूटनीतिक रस्साकशी तेज होने के संकेत हैं। इसके बीच तालिबान की अहमियत बढ़ती दिख रही है। लगभग एक साथ इस खबर की पुष्टि हुई है कि रूस और अमेरिका दोनों ने तालिबान से नए सिरे से बातचीत करने की योजना बनाई है। पहले खबर आई कि रूस ने तालिबान को वार्ता के लिए मास्को बुलाया है। फिर बताया गया कि रूस ने उस बैठक में शामिल होने के लिए चीन को भी आमंत्रित किया है। इसके अलावा पास-पड़ोस के रूस के कई सहयोगी देश भी आमने-सामने बैठ कर तालिबान से अफगानिस्तान के भविष्य के बारे में चर्चा करेंगे।

ये पहल ठीक उस समय ही हुई है, जब अमेरिका ने तालिबान के साथ फिर से दोहा में सीधी वार्ता शुरू करने की घोषणा की है। अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज की वापसी और काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद दोनों पक्षों के बीच ये पहली आमने-सामने वार्ता होगी। हालांकि बताया जाता है कि इस दौरान दोनों पक्षों में परोक्ष संपर्क बना रहा है। शुक्रवार को ये खबर आई कि दोहा में होने वाली बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्रालय और खुफिया विभागों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- 'हम इस बात पर जोर डालेंगे कि तालिबान महिलाओं और लड़कियों सहित अफगानिस्तान के सभी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करे।' इसके अलावा अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी नागरिकों और उसके अफगान सहयोगियों को वहां से सुरक्षित बाहर निकालने और अफगानिस्तान की जमीन का आतंकवाद के लिए इस्तेमाल न हो, उसे सुनिश्चित करने जैसे मुद्दों पर भी बातचीत होगी।

अमेरिका :पूर्व तालिबान कमांडर पर तीन अमेरिकी सैनिकों व दो अफगानिस्तानियों की हत्या के आरोप तय

न्यूयार्क। अमेरिकी पत्रकार का अपहरण कर उसे कई महीनों तक पाकिस्तान में बंधक बनाकर रखने वाले तालिबान के पूर्व कमांडर हाजी नजीबुल्लाह के खिलाफ 2008 में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के मामले में आरोप तय किए गए हैं। अमेरिका द्वारा 7 अक्तूबर 2021 को अफगानिस्तान पर हमला करने के ठीक 20 साल पूरे होने के मौके पर नजीबुल्लाह (45) के अमेरिकियों की हत्या में शामिल होने की खबर आई है। 2008 को हुए इस हमले में तीन अमेरिकी सैनिक और उनके अफगानिस्तानी अनुवादक की मौत हो गई थी, साथ ही एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर भी मार गिराया। अफगानिस्तान के नागरिक नजीबुल्लाह को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था और यूक्रेन से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। उसे उम्रकैद भी हो सकती है। न्यूयॉर्क में एक संघीय ज्यूरी ने उसके विरुद्ध 2007 से 2009 तक संघीय आतंकवाद संबंधी अपराधों और अफगानिस्तान में तालिबान कमांडर के रूप में उसकी भूमिका के संबंध में आरोप तय किए। उस पर 26 जून, 2008 को अमेरिकी सेना के एक काफिले पर हमला करने का आरोप है, जिसमें सार्जेंट फर्स्ट क्लास मैथ्यू एल. हिल्टन, जोसेफ ए. मैकके, सार्जेंट मार्क पामेटियर और दो अफगानिस्तानी दुभाषियों की मौत हो गई थी। उस पर, 27 अक्तूबर 2008 को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर को गिराने का भी आरोप है।

रूस में पिछले 24 घंटों के अंदर आए करीब तीस हजार नए मामले 900 से ज्यादा लोगों की हुई मौत

मास्को। कोरोना महामारी से रूस अभी भी उबर नहीं पाया है। यहां रोजाना करीब 25 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। रूस में पिछले 24 घंटों के अंदर 29,362 नए कोरोना के मामले दर्ज किए गए। जो एक दिन पहले 27,246 मामले थे। रूस में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 7 7 लाख 46 हजार 718 (7,746,718) हो गई है।

कोरोना के मामलों की जानकारी देते हुए रूस की सरकार ने कहा कि पिछले दिन देश के अलग-अलग 85 क्षेत्रों में 29,362 कोरोना के मामलों की पुष्टि की गई है। मास्को में रोजाना संक्रमण के 6,001 मामलों के साथ सबसे अधिक नए मामले हैं, जो एक दिन पहले 4,595 थे। रूसी राजधानी के बाद सेंट पीटर्सबर्ग में 2,717 मामले हैं, जो पिछले दिन 2,501 से ज्यादा हैं।

रूसी सरकार ने एक दिन में कोरोना से जुड़ी 968 मौतों का एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया है, जो एक दिन पहले 936 थी, जिससे देश में मरने वालों की संख्या 2 लाख 15 हजार 453 (215,453) हो गई है। इसी दौरान पिछले 24 घंटों के अंदर 21,049 लोग कोरोना संक्रमण से ठीक हुए हैं, जो एक दिन पहले 20,566 लोग संक्रमण से ठीक हुए थे। देश में कुल मिलाकर 6 लाख 84 हजार 845 (6,840,845) लोग इस महामारी को मात देकर स्वस्थ हुए हैं।

ब्राजील में कोरोना से मरने वालों की संख्या 6 लाख हुई

ब्राजील में कोरोना से मरने वालों की संख्या 6 लाख हो गई है। ब्राजील के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार पिछले 24 घंटों के अंदर देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा, जो वर्तमान में अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरा सबसे अधिक है। 6 लाख (600,000) के अंक पर पहुंच गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा कि पिछले 24 घंटों के अंदर 18,172 कोरोना के नए मामले मिले हैं। देश में कोरोना के कुल मामले 2 करोड़ 15 लाख 50 730 (21,550,730) हो गए हैं, जो वर्तमान में अमेरिका और भारत के बाद तीसरा सबसे अधिक कोरोना संक्रमितों की संख्या है।

यूएनसी ने अफगानिस्तान के मस्जिद में हुए हमले की निंदा की, कहा-

अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान के एक शिया मस्जिद में हुए हमले की निंदा की है। बीते दिन उत्तरी कुंदुज प्रांत में हुए घातक हमले की निंदा करते हुए परिषद ने कहा कि अपराधियों, आयोजकों, फाइनेंसरों और आतंकवाद के प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता है। बता दें कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने 8 अक्टूबर 2021 को अफगानिस्तान केकुंदूज में हुए नृशंस और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए यह बयान दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने फिर से कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

बता दें कि अफगानिस्तान के कुंदूज शहर स्थित मस्जिद के भीतर हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ने ली है। इस हमले में 80 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। शुक्रवार को दोपहर के समय जब विस्फोट हुआ तब इलाके में रहने वाले शिया मुसलमान बड़ी संख्या में नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में आए हुए थे। तेज आवाज के साथ हुए विस्फोट के बाद मस्जिद धुएं से भर गई और चीख-पुकार मच गई। धुंआ छंटने पर जब आसपास के लोग मस्जिद के भीतर पहुंचे तो खून से रंगी धरती पर मानव अंग बिखरे पड़े थे, तमाम घायल मदद के लिए लोगों को पुकार रहे थे।

डेल्टा से खतरे के बीच ब्राजील में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 6 लाख पार हुआ

साओ पाउलो। ब्राजील के सबसे बड़े महानगर, साओ पाउलो में एक बार फिर से भरे हुए नजर आ रहे हैं और राजधानी में सांसदों ने जूम के माध्यम से चालू रखे हुए वीडियो सत्र को भी लगभग समाप्त कर दिया है। रियो डी जनेरियो के समुद्र तट भरे हुए हैं और सख्त शारीरिक दूरी पर केवल याद बनके रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कोरोना महामारी से खराब हुए हालात को फिर सामान्य स्थिति में लौटता हुए दिखाता है। यहां तक कि महामारी से मृत्यु भी 600,000 के आंकड़े से ऊपर पहुंच गई है। देश कोविड-19 मामलों और मौतों दोनों में राहत का स्वागत कर रहा है और जश्न के मूड में है। हालांकि, विशेषज्ञों की डेल्टा संस्करण को लेकर चेतावनी है, जिसमें कहा गया है कि वह अधिक खतरे को दिखाता है व देश में विनाश की एक और लहर पैदा कर सकता है। अप्रैल में 3,000 से अधिक मौतों को तेजी से कम होते देखा गया। यहां तक कि देश में औसत दैनिक मृत्यु दर एक महीने के लिए लगभग 500 हो गई है। लगभग 45 फीसद आबादी पूरी तरह से टीकाकृत है और बुजुर्गों को बूस्टर शाट दिया जा रहा है। एक आनलाइन शोध साइट, अवर वर्ल्ड इन डेटा के अनुसार, अमेरिकियों या जर्मनों की तुलना में ब्राजीलियाई लोगों का एक बड़ा फीसद समूह टीका लगवा चुका है। सुधार को देखते हुए महापौरों और राज्यपालों को फुटबाल मैचों में प्रशंसकों को स्वीकार करने के लिए सोचना पड़ा और बार और रेस्तरां को देर रात तक खुला रहने दे भी आदेश दिए गए हैं।

अफगान की तालिबानी सरकार पर मंडराया इस्लामिक स्टेट का खतरा, तेज किए हमले

काबुल। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने वाले तालिबान को आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट की ओर से लगातार चुनौती मिल रही है। इसी क्रम में अफगानिस्तान के कुंदुज स्थित मस्जिद में आतंकी समूह ने हमला किया जिसमें 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। दरअसल अगस्त से लेकर अब तक देश में ढ्ढस्त्र की ओर से हमले तेज हो गए हैं। यहां तक कि इस्लामिक स्टेट के कमांडर देश के हर प्रांत में तैनात किए जाने की खबरें भी मिलने लगी हैं।

वहीं न्यूज एजेंसी अनुसार, IS की ओर से इस विस्फोट को अंजाम देने वाले की पहचान उइगर मुस्लिम के तौर पर की गई। इसमें कहा गया है कि हमले में तालिबान व शिया मुसलमानों को निशाने पर लिया गया क्योंकि ये चीन का साथ देते हुए उइगर समुदाय को निकालना चाहते हैं। यह बयान IS की न्यूज एजेंसी आमाक की ओर से जारी हुआ है।

26 अगस्त को हुए घातक हमले के पीछे भी था IS: IS ने काबुल में दो घातक बम विस्फोटों की भी जिम्मेदारी ली थी जिसमें से एक 26 अगस्त वाला काबुल एयरपोर्ट के बाहर हुआ भयावह हमला है जिसमें 169 अफगानी और 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। इसके अलावा रविवार को काबुल ईदगाह मस्जिद के बाहर हुआ बम विस्फोट है जिसमें पांच आम नागरिक मारे गए थे। इसके अलावा बुधवार को मदरसा को निशाना बनाया गया था हालांकि आइएस ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली थी। कुंदुज में सैयदाबाद मस्जिद पर हुए आतंकी हमले की मानवाधिकार आयोग ने निंदा की। आयोग ने इस हमले को शिया व हजारा समुदायों को निशाना बनाने की बात कही। आयोग ने चिंता जाहिर की और कहा कि इस समुदाय की सुरक्षा के लिए कोई सुनियोजित इंतजाम नहीं है। मस्जिद में शिया मुस्लिम नमाज पढ़ने को जमा थे जब बम विस्फोट हुआ। यह एक सप्ताह में तीसरी बार धार्मिक स्थल को निशाना बनाने की घटना है। इसमें 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हैं। इस विस्फोट के कारण मस्जिद क्षतिग्रस्त हो गया है।

अफगानिस्तान के जलालाबाद में बुजुर्ग का सिर कलम

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण के बाद हिंसा में वृद्धि देखी गई है। ताजा मामला जलालाबाद शहर का है जिसने सनसनी मचा दी है। अंगोरबाग इलाके में शुक्रवार को एक बुजुर्ग का सिर कलम कर दिया गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शुक्रवार को अंगोरबाग इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति का सिर कटा शव मिला है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि तालिबान इस क्षेत्र में नागरिकों और अफगानिस्तान के पिछले इस्लामी गणराज्य में सेवा करने वालों को बेरहमी से प्रताड़ित कर रहे हैं।

तालिबान ने पहले सभी अफगान सरकारी अधिकारियों के लिए ÷सामान्य माफी÷ की घोषणा की थी और उनसे काम पर लौटने का आग्रह किया था, जिसमें शरिया कानून के अनुरूप महिलाएं भी शामिल थीं। लेकिन अब वे पूर्व सरकारी अधिकारियों को निशाना बना रहे हैं। टोलो न्यूज के अनुसार प्रसिद्ध अपगान कमेडियन नजर मोहम्मद, जिसे खाशा ज़ान के नाम से जाना जाता है, को 22 जुलाई को उसके घर से बाहर निकाल दिया गया और उनकी हत्या कर दी गई। खासा पहले कंधार पुलिस में कार्यरत थे ।

तालिबान लड़ाके पूर्व सरकारी अधिकारियों के बच्चों को भी निशाना बना रहे हैं। हाल ही में तालिबान ने उत्तरी फरयाब प्रांत में एक सुरक्षा अधिकारी के 12 वर्षीय लड़के की पिटाई भी की । इसके अलावा अफगान महिला न्यायाधीश, जिन्होंने हत्यारों और अन्य अपराधियों को जेल की सजा सुनाई थी, अब उन दोषियों से प्रतिशोध के डर से छिप गई हैं, जो पिछले महीने देश के अधिग्रहण के बाद तालिबान द्वारा मुक्त किए गए हैं।

शी जिनपिंग की चेतावनी- खुद सुलाझाएंगे ताइवान मुद्दा, विदेशी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

बीजिंग। ताइवान और चीन के पुनः एकीकरण की जोरदार वकालत करते हुए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शनिवार को कहा कि 'ताइवान प्रश्न का मुद्दा सुलझाया जाएगा और इसमें ' किसी विदेशी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शी की यह टिप्पणी चीन द्वारा लगातार चार दिन ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में बड़ी संख्या में युद्धक विमान भेजे जाने के बाद आई है। ताइवान खुद को एक संप्रभु राज्य मानता है लेकिन चीन इसे एक अलग प्रांत के स्वायत्तशासी द्वीप के रूप में देखता है। चीन ने एकीकरण करने के लिए संभावित बल के इस्तेमाल से इनकार नहीं किया है।

शी ने एक आधिकारिक उत्सव के मौके पर यहां के ग्रेट हॉल में कहा कि चीन के पुनःएकीकरण के रास्ते में 'ताइवन स्वतंत्रता% बल मुख्य बाधक है। वह चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के महासचिव भी हैं । उन्होंने कहा कि ताइवन का प्रश्न चीनी राष्ट्र की कमजोरी और अराजक स्थिति की वजह से पैदा हुआ और इसे सुलझाया जाएगा ताकि पुनःएकीकरण वास्तविकता बन सके। शी ने कहा, ' यह चीनी इतिहास की सामान्य प्रवृत्ति से निर्धारित होता है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सभी चीनियों की सामान्य इच्छा है। वर्ष 1911 में हुये चीनी क्रांति की 110 वीं वर्षगांठ के मौके पर इस उत्सव का आयोजन किया गया था । चीनी क्रांति के बाद किंग राजवंश को सत्ता से बाहर कर सन यात सेन के नेतृत्व में चीनी गणराज्य की स्थापना की गई। वहीं 10 अक्टूबर को ताइवान में राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। चीन और ताइवान के शासन पद्धति में भी अंतर है। चीन में एक दलीय शासन प्रणाली है जबकि ताइवान में बहुदलीय लोकतंत्र है। शी 2012 में देश की सत्ता पर काबिज हुए और चीन का कायाकल्प किया और चीनी सपने को पूरा किया तथा चीन के मुख्य हिस्से में ताइवान को जोड़ना उनके मुख्य लक्ष्यों में से एक है। पिछले सप्ताह ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में 150 युद्ध विमान घुस गए थे, जिसको लेकर अमेरिका ने गहरी चिंता व्यक्त की।

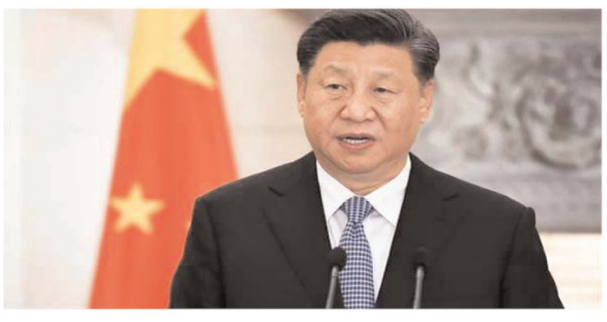

भारत-अमेरिका ने '2+2' वार्ता से पहले हिंद-प्रशांत और क्षेत्रीय मद्दों पर की चर्चा

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका ने अपनी फलती-फूलती रक्षा साझेदारी और एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। अमेरिका रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया कि दोनों देशों के अधिकारियों ने इस साल के अंत में होने वाली 'टू-प्लस-टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता का आधार तैयार करने के लिए एक बैठक की। शुक्रवार को हुई बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव अजय कुमार और नीति के लिए अवर रक्षा मंत्री कॉलिन कहल ने की। पेंटागन ने कहा कि अमेरिका-भारत रक्षा नीति समूह की 16वीं बैठक ने इस साल के अंत में होने वाली महत्वपूर्ण '2+2% मंत्रिस्तरीय वार्ता का आधार तैयार किया। इसके साथ ही अमेरिका और भारत ने प्रमुख रक्षा भागीदारी में एक नया अध्याय शुरू किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एंटन टी सेमलरॉथ ने कहा, 'वार्ता ने द्विपक्षीय प्राथमिकताओं की एक महत्वाकांक्षी व्यवस्था को आगे बढ़ाया जिसमें सूचना-साझेदारी, उच्च गुणवत्ता का समुद्री सहयोग, साजो-सामान और रक्षा व्यापार शामिल है, जो अमेरिका और भारत के बीच फलते-फूलते रक्षा संबंधों को दर्शाता है।' उन्होंने बताया कि अमेरिकी और भारतीय अधिकारियों ने दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र सहित साझा हित के क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

उन्होंने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की। सेमलरॉथ ने कहा, ÷नेताओं ने अंतरिक्ष और साइबर जैसे नए रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने सहित एक साथ निर्बाध रूप से अधिक काम करने के लिए अमेरिका और भारतीय सेनाओं के बीच संयुक्त सहयोग और साथ मिलकर काम करने की क्षमता को गहरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।' विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने पिछले महीने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच 'टू-प्लस-टू' वार्ता इस साल नवंबर में होगी ।

अमेरिका: भारत-अमेरिकी रिश्तों को प्रगाढ़ करने का मौका रहा शरमन का दौरा

वाशिंगटन। अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन की हाल में सम्पन्न हुई भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने का मौका मिला है। इस दौरे पर अफगानिस्तान तथा हिंद-प्रशांत की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने को लेकर कुछ प्रमुख वार्ताकारों के साथ महत्वपूर्ण रूप से जुड़ने का अवसर मिला। शरमन ने अपनी तीन दिनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ मुलाकात की। इस दौरान, अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रम, सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने और उस देश में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने की आवश्यकता को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, कुल मिला कर, यह अमेरिका के लिए भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने का एक अवसर था, एक ऐसी साझेदारी जो दोनों देशों को कई मौके प्रदान करती है, जो हमारे लिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एक स्वतंत्र एवं खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र चाहते हैं।

भारत हमारे लिए अहम भागीदार

शरमन की यात्रा को लेकर पूछे गए सवाल पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, भारत हमारे लिए क्वाड के सदस्य के रूप में एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक भागीदार के रूप में व्यापक लक्ष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राइस ने कहा कि विदेश सचिव श्रृंगला और एनएसए डोभाल के साथ अपनी बैठक के अलावा शरमन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ भी मुलाकात की।

पाक से अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की

पाक अमेरिका ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के हालात सहित क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों और द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हम क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना जारी रखने की उम्मीद करते हैं। शरमन नई दिल्ली से यहां दो दिनी दौरे पर पहुंची हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स को शुरू करने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ तैयार है बीएसई

नई दिल्ली। देश का प्रमुख शेयर बाजार बीएसई अपने मंच पर इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) शुरू करने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ तैयार है। बीएसई के मुख्य व्यवसाय अधिकारी समीर पाटिल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे देशभर में पीली धातु के लिए समान मूल्य ढांचा बनाने में मदद मिलेगी। पाटिल ने कहा कि एक्सचेंज जरूरी आंतरिक मंजूरी हासिल करेगा और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपने मंच पर नयी प्रतिभूति श्रेणी शुरू करने को आवेदन करेगा।

इससे पहले सेबी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को गोल्ड एक्सचेंज के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें पीली धातु में कारोबार ईजीआर के रूप में होगा और इससे एक पारदर्शी हाजिर मूल्य खोज तंत्र विकसित करने में मदद मिलेगी। अभी भारत में सिर्फ गोल्ड डेरिवेटिव्स और गोल्ड ईटीएफ की अनुमति है। वहीं अन्य देशों में सोने के भौतिक कारोबार के लिए हाजिर एक्सचेंज होते हैं। सोने का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्पाद को इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) कहा जाएगा और इसे प्रतिभूतियों के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। ईजीआर में अन्य प्रतिभूतियों की तरह कारोबार, समाशोधन और निपटान की खूबियां होंगी।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों में 26,517 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 26,517 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह लगातार दूसरा महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजारों में शुद्ध लिवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 30 सितंबर के दौरान शेयरों में 13,154 करोड़ रुपये तथा ऋण या बांड बाजार में 13,363 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 26,517 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 16,459 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी तकनीकी शोध) श्रीकांत चौहान ने कहा, ''ज्यादातर प्रमुख उभरते बाजारों में एफपीआई ने सितंबर माह में पूंजी डाली है। इस दौरान भारत में एफपीआई का प्रवाह सबसे ऊंचा रहा।'' उन्होंने कहा कि इस दौरान दक्षिण कोरिया के बाजारों में एफपीआई का निवेश 88.4 करोड़ डॉलर, थाइलैंड में 33.8 करोड़ डॉलर और इंडोनेशिया में 30.5 करोड़ डॉलर रहा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''मौजूदा रुख से संकेत मिलता है कि एफपीआई अब लघु अवधि की चुनौतियों से आगे देखने लगे हैं और उनका ध्यान वृहद रुख पर है।'' उन्होंने कहा कि एफपीआई धीरे-धीरे अपना सतर्कता का रुख छोड़ रहे हैं और भारतीय बाजारों के प्रति उनका भरोसा बढ़ रहा है।

दूरसंचार विभाग ने स्थानीय खरीद की सूची में राउटर, स्विच को जोड़ने का आदेश फिलहाल रोका

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सरकारी इकाइयों के लिए स्थानीय विनिर्माताओं से खरीदे जाने वाले दूरसंचार उपकरणों की सूची का विस्तार करने संबंधी अपने आदेश को फिलहाल रोक दिया है। विभाग ने 31 अगस्त को जारी अपने आदेश में एसडी-वान राउटर और स्विच समेत दो दर्जन अन्य दूरसंचार उपकरणों को स्थानीय निर्माताओं द्वारा ख़रीदे जाने वाली सूची में शामिल किया था। इनका उपयोग दूरस्थ शाखाओं और डेटा केंद्रों को जोड़ने के लिए किया जाता है। विभाग ने इसके अलावा इन उपकरणों के उपयोग के लिए आयात किये जाने वाले घटकों की अनुमति दे दी थी। अधिसूचना में कहा गया, '' दूरसंचार विभाग द्वारा 31 अगस्त, 2021 को जारी किये गए आदेश को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। विभाग ने हालांकि इस फैसले को टालने का कारण नहीं बताया।''

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर एसबीआई ने मनाया 'एनपीएस दिवस'

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर देश के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) दिवस शुरू करने की घोषणा की। एनपीएस दरअसल देश में पेंशनभोगी समाज के गठन के लिए भारत सरकार के मिशन के तहत पीएफआरडीए के अभियान के अनुरूप है। एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने अपने लाखों ग्राहकों के बीच एनपीएस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपनी सभी शाखाओं में

इस पहल की शुरुआत की। खारा ने एनपीएस दिवस के हिस्से के रूप में योनो एसबीआई पर सभी नागरिक क्षेत्र के तहत व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए एनपीएस पंजीकरण कार्यक्षमता भी शुरू की।

इस अवसर पर बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, ''हमें अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अनुरूप 'एनपीएस दिवस' मनाते हुए खुशी हो रही है। हमारा मानना है कि हमारे ग्राहकों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित सेवानिवृत्ति सुनिश्चित करने के लिए एनपीएस में निवेश के महत्व को समझने का यह एक बेहतर अवसर है। हम एसबीआई में अपने ग्राहकों को एनपीएस के बारे में शिक्षित करना जारी रखेंगे जिससे उन्हें बहुत कम उम्र से ही अपने जीवन के सुनहरे दौर के लिए बचत की आदत विकसित करने में मदद मिलेगी।''

एसबीआई द्वारा मनाया गया एनपीएस दिवस भारत में एक पेंशनभोगी समाज बनाने के लिए भारत सरकार के मिशन की दिशा में एक कदम है।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली एक दीर्घकालिक निवेश उत्पाद है जिसमें बहुत कम लागत वाली संरचना होती है, जो बाजार से जुड़े रिटर्न की पेशकश करती है। एनपीएस को पीएफआरडीए द्वारा विनियमित किया जाता है।

देश में प्राथमिक चिकित्सा की शिक्षा बेहद जरूरी: प्रो. वी एन प्रधान (कुलपति)

जयपुर

प्राथमिक चिकित्सा की शिक्षा और उसके लिए पाठ्यक्रमों की जरूरत पर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉरलानी, जयपुर द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह प्रेस वार्ता मानसरोवर स्थित दीपशिखा, कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन में किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वी एन प्रधान ने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए प्राथमिक चिकित्सा और इससे जुड़े अन्य प्राथमिक उपचार पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सभी इच्छुक अभ्यर्थी जो चिकित्सा

सेवा के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं उन्हें इस पाठ्यक्रम के माध्यम से बेहतर विकल्प प्राप्त हो सकते हैं।

यह पाठ्यक्रम रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए एक सुनहरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को मंजूरी देने के बाद से सरकार अपना ध्यान प्राथमिक चिकित्सा को मजबूत बनाने में लगा रही है। और प्राथमिक चिकित्सा के पाठ्यक्रमों को शुरू करके हमारा विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के सपनों को पूरा करने में मदद कर रहा है। इन सभी पाठ्यक्रमों को संचालित करने के लिए भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद् (फर्स्ट ऐड काउंसिल ऑफ इंडिया), दिल्ली को चिन्हित किया गया है तथा अनन्यए ज्ञापन समझौता भी हस्ता क्षरित किया गया है। विश्वविद्यालय अध्यापन सहयोगी संस्था भारतीय प्राथमिक चिकित्सा परिषद् के माध्यम से पूरे राजस्थारन में कई वर्चुअल, परंपरागत केंद्र व सूचना केंद्र स्थापित कर रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान फर्स्ट ऐड काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. शबाब आलम ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नादलाजी, जयपुर द्वारा प्राथमिक चिकित्सा विशेषज्ञ डिप्लोमा कोर्स एक प्रगतिशील कोर्स है जिसके माध्यम से पूरे देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में एक सकारात्मक संदेश जनहित स्वरोजगार हेतु दिया गया है।

कृभको, सीएससी में कृषि-आदान उत्पादों के विपणन के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली। सीएसी ई-गवर्नेंस सर्विसेज ने चार लाख ग्राम स्तर के उद्यमियों के जरिये किसानों की उर्वरक तथा अन्य कृषि आदानों (इनपुट) तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कृषक भारती कोऑपरेटिव (कृभको) से हाथ मिलाया है।

एक बयान में कहा गया है कि साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के जरिये कृभको उत्पादों की बिक्री और विपणन किया जाएगा। इनमें उर्वरक मसलन आयातित यूरिया, डीएपी, एनपीके/एनपीएस, जैव-उर्वरक, सिटी कंपोस्ट, जिंक सल्फेट, प्रमाणीकृत बीज और हाइब्रिड बीज जैसे उत्पाद शामिल हैं। कृभको द्वारा उर्वरकों, कृषि आदानों तथा बीजों का विनिर्माण, आयात और विपणन किया जाता है।

इससे पहले इसी साल सीएससी ने बीज, कीटनाशक जैसे कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कृषि मशीनरी को किराये पर देने या लेने तथा अपने वीएलई तथा कृषक उत्पादक संगठनों के जरिये कृषि उपज के कारोबार के लिए कृषि सेवा मंच का गठन किया था। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लि. के प्रबंध निदेशक दिनेश त्यागी ने कहा कि कृभको के साथ हमारी भागीदारी सरकार के किसानों और कृषक समुदाय को सेवा के एजेंडा को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

अमेजन, फ्लिपकार्ट की त्योहारी बिक्री की जोरदार शुरुआत, टियर 2-3 शहरों में तेजी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट और अमेजन इंडिया ने कहा कि इस साल उनकी त्योहारी बिक्री की मजबूत शुरुआत हुई है और टियर-2 तथा टियर-3 शहरों की मांग में खासतौर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने कहा कि उसके 'फ्लिपकार्ट प्लस' कार्यक्रम (लॉयल्टी प्रोग्राम) के लिए पिछले साल की तुलना में इस साल 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि ग्राहकों की लगभग 45 प्रतिशत मांग टियर-3 शहरों और उससे बाद के शहरों से है।

एक अलग बयान में अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा कि 'अमेजन डॉट इन' पर सालाना आधार पर सर्वाधिक एकल दिवस बिक्री हासिल करने वाले विक्रेताओं की संख्या में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि हमारे महीने भर चलने वाले उत्सव 'अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2021' की मजबूत शुरुआत हुई है, जिसमें लाखों ग्राहक अमेजन पर पंजीकृत छोटे विक्रेताओं से खरीदारी कर रहे हैं। इन दुकानदारों में स्थानीय दुकानें, स्टार्ट-अप और ब्रांड, कारीगर और बुनकर शामिल हैं।

तिवारी ने कहा, ''दो अक्टूबर को प्राइम ग्राहकों के लिए शीघ्र पहुंच के दौरान पिछले साल की तुलना में इस साल आयोजन में शामिल होने वाले स्थानीय दुकानदारों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई।''उन्होंने कहा कि प्राइम सब्सक्रिप्शन पूरे भारत में ग्राहकों की पसंद बना हुआ है, तीन में से दो नए प्राइम ग्राहक टियर-2 और टियर-3 शहरों से आते

हैं।फ्लिपकार्ट की द बिग बिलियन डेज (टीबीबीडी) बिक्री आठ दिनों तक चलने वाला आयोजन है, जो 10 अक्टूबर को खत्म होगा, वहीं अमेजन इंडिया का जीआईएफ एक महीने तक चलेगा। इसके अलावा मिंत्रा, स्नैपडील और अन्य ई-कॉमर्स मंच भी इसी तरह के बिक्री आयोजित कर रहे हैं।

फ्लिपकार्ट ने अपने बयान में कहा कि उसके टीबीबीडी के आठवें संस्करण की शुरुआत सकारात्मक रही। बयान में कहा गया, ''फ्लिपकार्ट प्लस के जरिए ग्राहकों के लिए शुरुआती पहुंच में पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। दिलचस्प बात यह है कि ग्राहकों की लगभग 45 प्रतिशत मांग टियर-3 शहरों से आ रही है।

जायडस कैडिला ने 1900 रुपये में कोविड वैक्सीन की तीन खुराकों की पेशकश, सरकार कर रही मोलभाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और जायडस कैडिला के बीच कोविड-19 वैक्सीन जायकोव-डी की कीमत को लेकर बातचीत चल रही है, जिसे 12 साल से ऊपर के लोगों को दिया जा सकता है। दवा कंपनी ने जायकोव-डी की तीन खुराकें 19,00 रुपये में देने की पेशकश की है। हालांकि, सरकार कीमतों को कम करने के लिए मोलतोल कर रही है और इस पर अंतिम फैसला इसी सप्ताह किए जाने की संभावना है। सरकार ने कहा था कि जायडस कैडिला द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित दुनिया की पहली डीएनए-आधारित सुई-रहित कोविड-19 वैक्सीन का इस्तेमाल जल्द ही शुरू किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया, ''कंपनी ने अपनी तीन खुराकों के लिए करों सहित 1,900 रुपये की कीमत का प्रस्ताव किया है।' उन्होंने बताया, ''बातचीत जारी है। कंपनी को टीके की लागत के बारे में सभी पहलुओं पर फिर से विचार करने के लिए कहा गया है। वैक्सीन की कीमत पर अंतिम फैसला इसी सप्ताह किए जाने की संभावना है।'

एक अन्य सूत्र ने कहा कि जायकोव-डी की कीमत कोवैक्सीन और कोविशील्ड की तुलना में अलग होनी चाहिए, क्योंकि तीन खुराक वाली वैक्सीन होने के अलावा इसके लिए एक सुई रहित जेट इंजेक्टर का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी कीमत 30,000 रुपये है। एक जेट इंजेक्टर का उपयोग लगभग 20,000 खुराक देने के लिए किया जा सकता है। इस वैक्सीन की दूसरी और तीसरी खुराक, पहली खुराक के 28 और 56 दिन बाद दी जानी है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र और कंपनी के बीच अब तक करीब तीन दौर की बैठक हो चुकी है और आखिरी गुरुवार को हुई।

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच ने डब्ल्यूटीआई पुरस्कारों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) ने देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव समारोह के तहत विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाली 75 महिलाओं को सम्मानित करने के लिए आवेदन मांगे हैं।

नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि स्थापना के बाद से अपने पांचवें वर्ष में वीमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवॉर्ड्स (डब्ल्यूटीआई) 2021 'सशक्त और समर्थ भारत' की दिशा में वह उन महिला उद्यमियों के योगदान का जश्न मनाएगा, जिन्होंने आत्मनिर्भर व्यवसायों का निर्माण किया है और असाधारण व्यापार समाधानों

के जरिये चुनौतियों पर जीत हासिल की है। इस साल डब्ल्यूटीआई पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र, सिस्को सीएसआर, फिक्की और ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के साथ साझेदारी में आयोजित किए जा रहे हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि आवेदन डब्ल्यूईपी की वेबसाइट पर उपलब्ध है, और आवेदन 31 दिसंबर, 2021 तक स्वीकार किए जाएंगे। महिला उद्यमी अपना नामांकन खुद कर सकती हैं या उन्हें दूसरों द्वारा नामित भी किया जा सकता है। नामांकन सात श्रेणियों - सार्वजनिक तथा सामुदायिक सेवा, विनिर्माण क्षेत्र, गैर-विनिर्माण क्षेत्र, आर्थिक विकास को सक्षम करने वाले वित्तीय उत्पाद, जलवायु संबंधी कार्रवाई, कला, संस्कृति एवं हस्तशिल्प और डिजिटल नवाचार - में कराये जा सकते हैं।

टाई हैदराबाद चैप्टर की सामाजिक उद्यम के लिए 20-30 करोड़ डॉलर के कोष की योजना

नई दिल्ली। उद्यमियों के संगठन टाई हैदराबाद ने कहा कि वह वैश्विक सामाजिक योगदान के लिए आगामी टाई स्थिरता शिखर सम्मेलन में 20-30 करोड़ डॉलर के सामाजिक प्रभाव कोष की शुरुआत करेगा।

इस कोष की मदद से वैश्विक सामाजिक उद्यमियों को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए मदद दी जाएगी।

टाई ग्लोबल चेयर और टाई हैदराबाद के अध्यक्ष मनोहर रेड्डी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शुरू हो रहे तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान यह कोष बढ़कर 40 करोड़ डॉलर तक हो सकता है। इसके अलावा टाई हैदराबाद शिखर सम्मेलन के जरिये सामाजिक उद्यमियों को टाई ग्लोबल के 10 करोड़ डॉलर के कोष में भाग लेने का मौका भी मिलेगा।

उन्होंने कहा, ''हमारे पास जमीन पर सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले स्टार्ट-अप और व्यवसायों को कोष देने के लिए लगभग 20 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता है। शेष राशि विभिन्न सरकारों से अपेक्षित है, जिसमें से ज्यादातर अनुदान के रूप में होंगी। अनुदान की राशि व्यवसाय की प्रकृति और उसके जमीन पर पड़ने वाले प्रभाव पर निर्भर करेगी।''

TiE HYDERABAD
FOSTERING ENTREPRENEURSHIP

नियुक्तिः यूको बैंक के अगले प्रबंध निदेशक हो सकते हैं सोम शंकर प्रसाद, पीएम की अगुवाई वाली नियुक्ति समिति लगाएगी अंतिम मुहर

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उप-प्रबंध निदेशक सोम शंकर प्रसाद को कोलकाता स्थित यूको बैंक का अगला प्रबंध निदेशक नियुक्त किया जा सकता है। बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने यूको बैंक के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार गोयल को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक का पद जनवरी में एस एस मल्लिकार्जुन राव की सेवानिवृत्ति के बाद से रिक्त है। सूत्रों ने बताया कि इस साल इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के समय प्रसाद का नाम आरक्षित सूची में था। सतर्कता सहित विभिन्न मंजूरियों के बाद उन्हें यूको बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

बोर्ड ने निदेशक पद के लिए लिया था इंटरव्यू

सूत्रों ने कहा कि इस बारे में अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा लिया जाएगा। बीबीबी ने इस साल मई में इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक पद के लिए साक्षात्कार लिए थे। साक्षात्कार के बाद शांति लाल जैन को प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी। उस समय प्रसाद आरक्षित सूची में थे।

बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने यूको बैंक के प्रबंध निर्देशक अतुल कुमार गोयल को पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सिफारिश की है।

पहली तिमाही में यूको बैंक का शुद्ध लाभ चार गुना बढ़ा

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने यूको बैंक को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) ढांचे से बाहर किया था। विभिन्न मानदंडों में सुधार के बाद बैंक को पीसीए से बाहर किया गया था। चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में यूको बैंक का शुद्ध लाभ चार गुना होकर 101.81 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

एंडी फ्लावर टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान के सलाहकार नियुक्त

काबुल। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और इंग्लैंड के पूर्व कोच एंडी फ्लावर को टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने यह घोषणा की। फ्लवार ने 2010 में इंग्लैंड को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2009 से 2014 तक इंग्लैंड के कोच रहे थे।

एसीबी के अध्यक्ष अजीजुल्लाह फाजली ने बयान में कहा कि हमें खुशी है कि एंडी एसीबी से जुड़ गए हैं। एंडी ने हमारे कई खिलाड़ियों के साथ विभिन्न फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं में काम किया है और उनका व्यापक अनुभव विश्व कप में टीम की मदद करने के लिए बहुत फायदेमंद और उपयोगी साबित होगा। फ्लावर ने जिम्बाब्वे की तरफ से 63 टेस्ट और 213 वनडे खेले थे। उन्होंने इंग्लैंड के अलावा विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों में भी कोच की भूमिका निभाई है।

फीडे ग्रांड स्विस - विदित गुजराती , हरिका द्रोणावल्ली होंगे शीर्ष भारतीय

रीगा , लातविय। फीडे ग्रांड स्विस के आयोजन मे अब कुछ ही दिन शेष है और इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी गयी है । इस टूर्नामेंट से 2 खिलाड़ियों को सीधे फीडे कैंडीडेट में प्रवेश दिया जाएगा आपको बता दे फीडे कैंडीडेट जीतने वाला खिलाड़ी ही विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का फाइनल खेलता है और विश्व चैम्पियन को चुनौती देता है । विश्व शतरंज संघ की जारी की गयी सूची मे पुरुष वर्ग में विश्वनाथन आनंद के नाम वापस लेने के बाद भारत के विदित गुजराती को नौवीं वरीयता दी गयी है जबकि महिला वर्ग में हरिका को पाँचवीं वरीयता दी गयी है , अभी कुछ दिन पहले ही विदित विश्व कप के क्वाटर फाइनल में पहुँचने वाले दूसरे भारतीय बने थे तो हरिका ने विश्व टीम स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया था , विदित समेत कुल 12 भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता मे पुरुष वर्ग में खेलेंगे अन्य भारतीय खिलाड़ियों में पेंटाला हरीकृष्णा को 12 वीं ,अधिबन भास्करन को 33वीं ,निहाल सरीन को 51वीं ,गुकेश डी को 62वीं ,कृष्णन शशिकीरण को 65वीं ,अर्जुन एरिगासी को 70वीं ,एसपी सेथुरमन को 89वीं,प्रग्गानंधा को 90,सूर्या शेखर गांगुली को 91वीं ,अरविंद चितांबरम को 93वीं ,रौनक साधवानी को 94वीं वरीयता दी गयी है ।पुरुष वर्ग में यूएसए के फबियानों करूआना शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे ।

भारतीय महिला हॉकी टीम इस सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कहा कि भारत और स्पेन आगामी महिला हॉकी प्रो लीग में केवल इस सत्र के लिए वैकल्पिक टीमों के रूप में खेलेंगे। महिला एफआईएच हॉकी प्रो लीग का तीसरा सत्र 13 अक्टूबर से शुरू होगा। इस दिन ओलिम्पिक एवं विश्व चैंपियन नीदरलैंड की टीम बेल्जियम से भिड़ेगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने एक बयान में कहा कि एफआईएच को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और स्पेन की महिला राष्ट्रीय टीमें एफआईएच हॉकी प्रो लीग -'हॉकी एट इट्स बेस्ट' के तीसरे सत्र में भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि दोनों टीमें सिर्फ इस सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की जगह लेंगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें चौथे सत्र में फिर से प्रो लीग में शामिल होंगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इस लीग के साथ-साथ पिछले महीने आगामी एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप और एफआईएच हॉकी इंडोर विश्व कप से भी नाम वापस ले लिया था। उन्होंने यह फैसला अपनी-अपनी सरकारों द्वारा लगाए गए कोविड-19 संबंधित अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए लिया था। भारत और स्पेन दोनों ने हाल ही में टोक्यो ओलिम्पिक में शानदार प्रदर्शन किया था। भारत इन खेलों में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा जबकि स्पेन शूट-आउट में ग्रेट ब्रिटेन से हारने के बाद अंतिम चार में जगह बनाने से चूक गया था एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेइल ने कहा कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अगले सत्र के लिए टोक्यो में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत और स्पेन जैसी टीमों का स्वागत करना अद्भुत है।

मुंबई इंडियंस ने हैदराबाद को 42 रन से हराया

अबू धाबी। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2021 का 55वां मैच अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेला गया। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीत लिया है और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी के लिए मुंबई की टीम ने तेज शुरूआत दी। ईशान किशन ने इस मैच में 32 गेंदों पर ताबड़तोड़ 84 रन की पारी खेली। वहीं सूर्यकुमार यादव ने भी अपने आक्रामक तेवर दिखाते हुए 82 रन की पारी खेली और हैदराबाद के सामने 236 रन का विशाल लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई हैदराबाद की टीम को सलामी बल्लेबाजों ने तेज शुरूआत दी। पर लगातार विकेट गिरने के कारण टीम बिखर गई। कप्तान मनीष पांडे की 69 रन की पारी भी हैदराबाद को जीत नहीं दिला सकी।

विराट कोहली ने कहा है, मैं टी20 विश्व कप में पारी की शुरुआत करूंगा - इशान किशन

अबू धाबी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो अर्धशतक जमाकर फॉर्म में वापसी करने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने कहा कि कप्तान विराट कोहली ने उनसे कहा है कि उन्हें टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा है। इस 23 वर्षीय बल्लेबाज ने मुंबई इंडियन्स के लिए पिछले दो मैचों में 32 गेंदों पर 84 और 25 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाए लेकिन उनके ये प्रयास काम नहीं आए क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स से नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण उनकी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई।

रोहित शर्मा भारत के लिए सभी प्रारूपों में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। टी20 में केएल राहुल और कोहली उनके साथ पारी का आगाज करते रहे हैं लेकिन आगामी टी20 विश्व कप में किशन भी यह भूमिका निभा सकते हैं। किशन ने कहा कि मुझे पारी की शुरुआत करना पसंद है और यही बात विराट भाई ने भी कही है। लेकिन शीर्ष स्तर पर आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होता है।

किशन को खुशी है कि उन्होंने फॉर्म में वापसी कर ली है जो कि एक बड़े टूर्नामेंट से पहले भारत के लिये अच्छा है। उन्होंने कहा कि विश्व कप से पहले अच्छी लय में लौटना मेरे लिए और टीम के लिए अच्छा है। मुंबई इंडियन्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिये कम से कम 170 रन के अंतर से जीत हासिल करनी थी जो कि लगभग असंभव था हालांकि पांच बार के चैंपियन ने सनराइजर्स हैदराबाद

के खिलाफ आखिरी मैच में 235 रन बनाए थे।

किशन ने कहा कि अच्छी मानसिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे पता था कि हम करो या मरो की स्थिति में हैं। यह सिर्फ इरादा और सकारात्मक मानसिकता थी। आपको हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उस मानसिकता में रहना महत्वपूर्ण है। मैंने विराट भाई, एचपी (हार्दिक पांड्या), केपी (पोलार्ड) के साथ बातचीत की और वे भी ऐसे ही इरादों के साथ उतरे थे।

हार के बाद बोले मनीष पांडे- हमारी टीम ने टूर्नामेंट में की यह गलतियां

अबू धाबी। मुंबई इंडियंस की टीम ने सनराईजर्स हैदराबाद को 42 रन के अंतर से मैच हरा दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी के लिए आई मुंबई की टीम ने ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की आतिशी पारी के बदौलत 236 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई हैदराबाद की टीम कप्तान मनीष पांडे की अर्धशतकीय पारी की मदद से 193 रन ही बना पाई और 42 रन से मैच हार गई।

मैच के बाद हैदराबाद के कप्तान मनीष पांडे ने कहा कि आज बहुत ही गर्मी थी और पूरे 20 ओवर मैच तेज गति से चल रहा था। मुझे मैच के दौरान क्रैंप पड़ रहे थे। मुझे लगता है कि यह इस टूर्नामेंट की सबसे बढ़िया विकेट थी। हमें पता था कि मुंबई की टीम जोरदार वापसी करेगी और उन्होंने किया भी। हमारे तेज गेंदबाजों ने अतिरिक्त रन भी दिए जिसका हमें खामियाजा भुगतना पड़ा। मनीष पांडे ने आगे कहा कि हमने इस सीजन टीम में कई

बदलाव किए जो हमारे लिए काम नहीं आई। हम शुरूआती कुछ मैचों में संघर्ष किया। आईपीएल के दूसरे चरण हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे पर हमारी टीम ऐसा करने में कामयाब नही हो पाई। हां, टीम के कुछ खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया।

दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत ने इस चीज पर फोड़ा हार का ठीकरा

अबू धाबी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आखिरी गेंद पर मैच गंवाने से दिल्ली कैपिटलस के कप्तान रिषभ पंत निराश नजर आए।

हालांकि दिल्ली के पास आखिरी गेंद तक जीतने का चांस था क्योंकि एक गेंद में बेंगलुरु को जीत के लिए 5 रन चाहिए था। लेकिन यहां श्रीकर ने छक्का मारकर दिल्ली की लय बिगाड़ दी। मैच खत्म होने के बाद दिल्ली के कप्तान पंत ने हार के कारणों पर बात की और माना कि उनकी फील्डिंग उस स्तर की नहीं रही, कि कोई टीम मैच जीत सके।

पंत ने कहा कि किसी भी टीम के लिए फील्डिंग काफी मायने रखती है। खास तौर पर अगर मुकाबला ट्वंटी-20 क्रिकेट का हो तो यहां जीत हार भी इससे ही तय होती है। हम बोल सकते हैं कि हमारी फील्डिंग उस स्तर की नहीं रही जिस तरह की हमें उम्मीद थी।

गेंदें छोड़ी जा सकती है। रन निकलते हैं लेकिन जब आप कैच छोड़ते हो तो मैच भी हाथ से निकल जाता है। यह ऐसा विभाग है जिस पर हमें लगता है कि काफी काम करने की जरूरत है। आज के मैच में हमें अपने इस कमजोर विभाग के कारण हार झेलनी पड़ी। हमें अगले मैच में अच्छी फील्डिंग करनी होगी ताकि मैच जीत सकें।

पंत ने माना कि यूएई की परिस्थितियां भी कई बार बाद में फील्डिंग कर रही टीम के लिए अड़चनें पैदा कर देती है। इन मैदानों पर गर्मी बहुत होती है। पसीने के कारण अक्सर फील्डर के हाथ से गेंद निकल जाती है। अगर हमारी फील्डिंग की बात करें तो कई ऐसे मौके थे जब फील्डरों के हाथों से गेंद निकल गई। इन मैदानों पर ओस बढ़ा कारण निभाती हैं। इसीका असर जीत-हार पर पड़ा। अभी अच्छा महसूस नहीं कर रहा क्योंकि आपको ऐसे मैच जीतने की जरूरत होती है। लेकिन हमने अपना 100 फीसदी दिया।

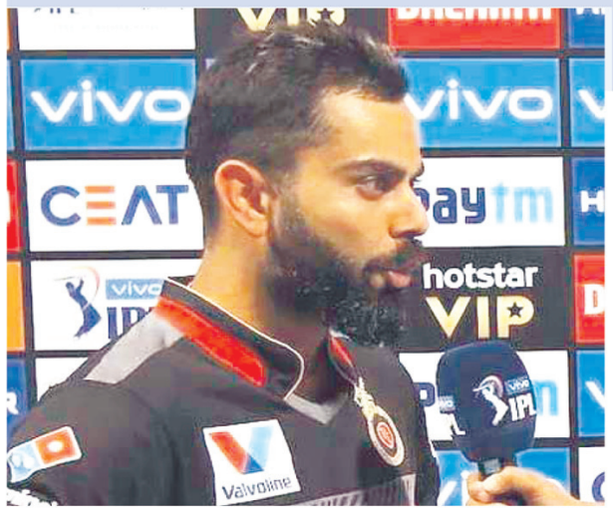

रोमांचक जीत दर्ज कर खुश हुए कोहली

शारजाह। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरकार श्रीकर और ग्लेन मैक्सवेल के बढ़िया प्रदर्शन के चलते दिल्ली कैपिटल्स को हरा दिया। श्रीकर ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जब टीम को जीत दिलाई तो कप्तान विराट कोहली काफी खुश दिखे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि यह अविश्वसनीय खेल था। हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन यह एक प्रतिस्पर्धी खेल था जो आईपीएल में हमेशा होता है। हमने उन्हें अब तक दो बार हराया है। एबी ने शुरुआत में जिस तरह से बल्लेबाजी की और फिर केएस और मैक्सवेल के साथ अंत में बल्लेबाजी की, वह अविश्वसनीय था। हकीकत यह थी कि हमें 160 रनों से जीतना था। हमने सोचा कि कुछ भी हो सकता है। हमें खुद पर विश्वास था कि हम किसी भी स्थिति में खेल को आगे बढ़ा सकते हैं। हमने इस टूर्नामेंट में ज्यादा लक्ष्य का पीछा नहीं किया है। नंबर तीन कोई मुद्दा नहीं रहा है। कोहली ने श्रीकर को प्रमोट करने पर कहा कि हम लगातार क्रिस्टियन के साथ जा रहे थे। वह मिडिल ऑर्डर में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन इस मैच में हमें लगा कि केएस एक ऐसा खिलाड़ी है जो किसी भी समय तीसरे नंबर पर आ सकता है। मुझे लगता है कि हमें मैदान में धार तेज करने की जरूरत है। आपको हमेशा मैच में बने रहने की आवश्यकता होती है। इस तरह की जीत आपको आत्मविश्वास देती है। कोहली बोले- हमने शारजाह में अच्छा खेला दिखाया। अगर चीजें हमसे दूर हो गई तो हम परिस्थितियों को संभालने में सक्षम हैं और विकल्प को नियंत्रण में रखने में सक्षम हैं। हमारे पास पहले से ही अनुभव है और हमें इस टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए इसका उपयोग करने की आवश्यकता है। बता दें कि आरसीबी ने इस जीत के साथ ही प्वाइंट टेबल में तीसरा स्थान बना लिया है। यानी उन्हें दूसरे स्थान पर काबिज चेन्नई की तरह दो मौके नहीं मिलेंगे।

पीसीबी ने पाकिस्तान की टी20 विश्वकप टीम में किए बदलाव, इन खिलाड़ियों को दी जगह

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाकिस्तान की 15 सदस्यीय आईसीसी टी-20 विश्व कप टीम में बदलाव की घोषणा के साथ फखर जमान, सरफराज अहमद और हैदर अली को इसमें शामिल किया है। फखर, जो मूल रूप से रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम का हिस्सा थे, अब 15 सदस्यीय टीम में शामिल होंगे, जबकि खुशदिल शाह को रिजर्व के तौर पर रखा गया है। सरफराज और हैदर क्रमशः आजम खान और मोहम्मद हसनैन की जगह लेंगे।

पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम ने एक बयान में कहा कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राष्ट्रीय टी-20 लीग में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने और टीम प्रबंधन के परामर्श के बाद हमने आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2021 के लिए 15 सदस्यीय टीम में हैदर अली, फखर जमान और सरफराज अहमद को शामिल करने का निर्णय लिया है। फॉर्म में चल रहे तीनों खिलाड़ी अपने साथ अनुभव और प्रतिभा का खजाना लेकर आएंगे और टीम को स्थिरता, संतुलन और मजबूती प्रदान करेंगे।

वसीम ने कहा कि आजम, खुशदिल और हसनैन को टीम से बाहर देखना मुश्किल होगा, लेकिन उनके पास अपने करियर में अभी भी बहुत कुछ है। वे हमारी भविष्य की योजनाओं में हैं, क्योंकि आईसीसी पुरुष टी-20

विश्व कप 2021 के बाद और ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 तक काफी क्रिकेट खेला जाना है। मैं क्रिकेट की तीव्रता और उच्च गुणवत्ता से खुश हूं जिसे हमने राष्ट्रीय टी-20 लीग में देखा है। इसने न केवल यूएई प्रतियोगिता की अगुवाई में खिलाड़ियों को उत्कृष्ट मैच अभ्यास प्रदान किया है, बल्कि हमें खिलाड़ी की प्रगति की बारीकी से निगरानी करने और फिर निर्णय लेने का अवसर दिया है जो टीम के सर्वोत्तम हित है, क्योंकि इससे हमें पता होगा कि हमारे लिए टूर्नामेंट सबसे सर्वश्रेष्ठ क्या होगा।

इस बीच पीसीबी शोएब मकसूद को टीम में शामिल करने के फैसले से पहले उनकी मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। दरअसल वह वर्तमान में पीठ के निचले हिस्से में लगी चोट से उबर रहे हैं।

मकसूद, जो मूल रूप से 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं वह छह अक्टूबर को एक मैच के बाद अपनी पीठ में दर्द के बाद एमआरआई स्कैन कराया था और अगले दिन मैच खेलने से चूक गए थे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान, जो सुपर 12 में ग्रुप दो में है, 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मैच से अपने टी-20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा।

पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप कप्तान), आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रऊफ, हसन अली, इमाद वसीम, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, सरफराज अहमद (विकेटकीपर), शाहीन शाह अफरीदी, सोहैब मकसूद। रिजर्व खिलाड़ी : खुशदिल शाह, शाहनवाज दहानी और उस्मान कादिर।

रोहित शर्मा का हार्दिक पंड्या को लेकर बड़ा बयान, बताया विश्वकप में गेंदबाजी करेंगे या नहीं

अबुधाबी। भारतीय चयनसमिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को विश्वास था कि हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गेंदबाजी करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और अब भारतीय उप कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जताई है कि यह आलराउंडर टी20 विश्व कप से पहले अगले सप्ताह गेंदबाजी करना शुरू कर देगा। पंड्या ने आईपीएल के यूएई चरण में पांच मैच खेले जिनमें उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। चयनसमिति के अध्यक्ष की सार्वजनिक घोषणा के बाद लग रहा था कि वह गेंदबाजी करेंगे लेकिन उन्होंने इस बीच एक भी ओवर नहीं किया।

रोहित ने कहा कि जहां तक उसकी (हार्दिक) गेंदबाजी का सवाल है तो फिजियो और ट्रेनर उसकी गेंदबाजी पर काम कर रहे हैं। उसने अभी तक एक भी गेंद नहीं की है। हम एक बार में एक मैच को ध्यान में रखकर उसकी फिटनेस का आकलन करना चाहते थे। उसमें दिन प्रतिदिन सुधार हो रहा है। हो सकता है कि अगले सप्ताह तक वह गेंदबाजी करने लग जाए। केवल चिकित्सक और फिजियो इसके बारे में बता सकते हैं। पंड्या ने बल्लेबाजी में भी निराश किया तथा केवल 127 रन बनाए। उनका औसत 14.11 और स्ट्राइक रेट 113.39 रहा। रोहित ने कहा कि जहां तक उसकी बल्लेबाजी का सवाल है, वह थोड़ा निराश होगा लेकिन वह बेहतरीन खिलाड़ी है। वह इससे पहले भी मुश्किल परिस्थितियां से बाहर निकला है। वह अपनी बल्लेबाजी से खुश नहीं होगा लेकिन टीम को उसकी क्षमताओं पर भरोसा है। मुझे स्वयं उसकी क्षमताओं पर पूरा विश्वास है। रोहित मुंबई इंडियन्स की टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों की फॉर्म से चिंतित नहीं हैं, क्योंकि टी20 विश्व कप अलग तरह का टूर्नामेंट होगा जहां कोई खिलाड़ी अभ्यास के दौरान भी लय में लौट सकता है।

हैदराबाद के मैच के बाद डेविड वार्नर ने शेयर की भावुक पोस्ट, कही यह बात

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद के प्रशंसकों के लिए एक संदेश दिया है। वार्नर ने आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराईजर्स हैदराबाद के साथ उनके कार्यकाल को 'शानदार सवारी' करार दिया। वार्नर को इस साल मई में खराब फॉर्म के कारण सनराईजर्स कप्तान के रूप में हटा दिया गया था और आईपीएल के दूसरे चरण के दौरान फिर से प्लेइंग इलेवन से हटा दिया गया था।

वार्नर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि उन सभी यादों के लिए धन्यवाद जो हमने बनाई। उन सभी फैंस का शुक्रिया जिन्होंने हर मैच में हमें अपना शत प्रतिशत समर्थन दिया। आप सभी फैंस द्वारा दिखाए गए सपोर्ट का मैं

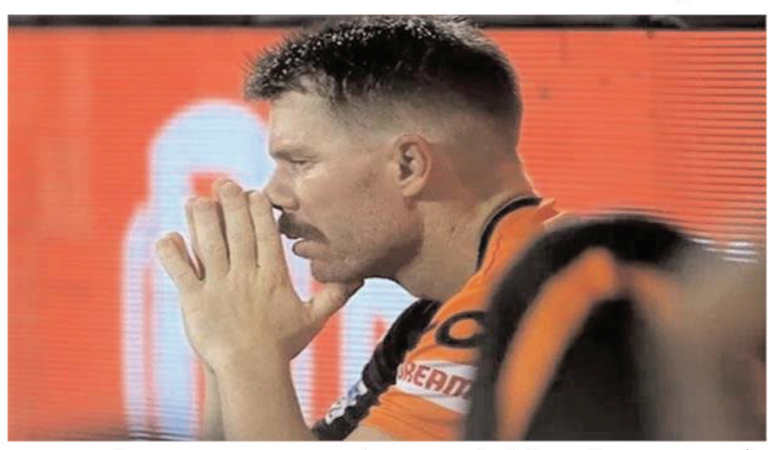

धन्यवाद नहीं कर सकता। यह बहुत ही शानदार सफर रहा। मैं और मेरा परिवार आप सभी को मिस करेगा। आज एक और आखिरी प्रयास।

सनराईजर्स हैदराबाद की टीम ने डेविड वार्नर की कप्तानी में ही साल 2016 में बेंगलुरु को हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता है। पर इस साल हैदराबाद की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और टीम प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाई। हैदराबाद की टीम आईपीएल के इस सीजन में आखिरी स्थान पर रही। गौर हो कि मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी मैच में हैदराबाद की तरफ से मनीष पांडे कप्तानी करने के लिए आए। इस मैच में मुंबई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 235 रन बना डाले जो आईपीएल के इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम 193 रन ही बना पाई और 42 रन से मैच हार गई।

Bigg Boss 15:

डॉनल बिष्ट

का कास्टिंग काउच पर बड़ा खुलासा, एक फिल्म के लिए निर्देशन ने रखी थी ऐसी शर्त

टीवी अभिनेत्री डॉनल बिष्ट बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 15 का हिस्सा बनी हैं। शनिवार 2 अक्टूबर को बिग बॉस 15 का ग्रैंड प्रीमियर हुआ, जिसमें कई हस्तियों ने शो में हिस्सा लिया है। उनमें से एक अभिनेत्री डॉनल बिष्ट भी हैं। वह कई सीरियल्स का हिस्सा भी रही हैं। बिग बॉस 15 के घर में एंट्री लेने से पहले डॉनल बिष्ट ने अपने बारे में बड़ा खुलासा किया है।

सलमान खान के शो का हिस्सा बनने से पहले डॉनल बिष्ट ने अंग्रेजी वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कई खुलासे किए। उन्होंने कास्टिंग काउच से जुड़ा अपना एक अनुभव शेयर किया। डॉनल बिष्ट ने खुलासा किया कि एक निर्देशक ने फिल्म में काम करने के लिए उन्हें अपने साथ सोने को कहा था। अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे करियर के शुरुआती दिनों की बात थी। सब जानते हैं कि शुरुआती दिनों में यह कैसे होता है जब आप कुछ नहीं होते हैं और लोग आपको अप्रोच करते रहते हैं। तब तक मैंने ठीक से इंडस्ट्री में कदम भी नहीं रखा था।

हालांकि डॉनल बिष्ट का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में इंडस्ट्री में बहुत कुछ बदल गया है, उन्होंने कहा, अब लोग कभी भी मुझे उस तरह से अप्रोच नहीं करते क्योंकि वह देख सकते थे कि मैं एक मजबूत लड़की हूं। मैंने कभी उस तरह की जगह नहीं दी। लेकिन कुछ लोग बुरे होते हैं, उनका आप कुछ नहीं कर सकते हैं? आपको अपने मूल्यों के बारे में जानना होगा और कुछ भी गलत नहीं होगा। मेरे साथ हुई बस यही एक घटना थी लेकिन इसे हे भगवान, सब लोग डॉनल बिष्ट के पास ऐसे पहुंचे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

इसके अलावा डॉनल बिष्ट ने अपने बारे में और भी कई खुलासे किए हैं। बात करें बिग बॉस 15 की तो उन्होंने सलमान खान से शो में आसिम रियाज के भाई उमर रियाज और अभिनेता ईशान सहगल के साथ एंट्री ली। शो में बिग बॉस 13 के रनरअप रहे आसिम रियाज के भाई उमर रियाज पहुंचे। अपने भाई उमर रियाज को चियरअप करने के लिए स्टेज पर आसिम रियाज खुद भी आए और उन्होंने सलमान खान के साथ मिलकर जमकर एंटरटेन किया।

उमर के साथ ही अभिनेता ईशान सहगल की भी एंट्री हुई। लेकिन ईशान और उमर के बीच शो में एंट्री से भी पहले से नोकजोक देखने को मिली। इन दोनों के साथ ही शो में नौवीं कंटेस्टेंट के रूप में एंट्री हुई डोनल बिष्ट की। डोनल ने एंट्री के साथ ही हुस्त के जलवे बिखेरे।

श्वेता तिवारी

के जन्मदिन पर देखें उनका ग्लैमरस अंदाज, कई मौकों पर घायल कर चुकी हैं फैंस का दिल

श्वेता तिवारी का सोमवार को जन्मदिन है. उनके जन्मदिन पर उनके प्रशंसक उन्हें बधाई दे रहे हैंद्य श्वेता तिवारी टेलीविजन जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री है. उन्होंने कई शो में काम किया हैद्य वह बिग बॉस की विजेता भी रह चुकी हैद्य इसके अलावा श्वेता तिवारी अपने निजी विवादों को लेकर भी खबरों में रहती हैंद्य आजकल उनका विवाद उनके पति अभिनव कोहली के साथ बेटे की कस्टडी को लेकर चल रहा हैद्य हाल ही में इस मामले में कोर्ट ने निर्णय भी दिया है.

इस बीच श्वेता तिवारी अपनी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर लगातार शेयर करती हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती है. श्वेता तिवारी हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 11 में भी नजर आई थीद्य इस शो में उन्होंने कड़ी मेहनत की हैद्य हालांकि वह शो की विजेता नहीं बन पाईद्य इसके बावजूद वह प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहीद्य श्वेता चौधरी के दो बच्चे हैंद्य उनकी बेटी जल्द फिल्मों में नजर आने वाली हैद्य उनकी बेटी का नाम पलक तिवारी है जो कि जल्द विवेक ओबरॉय के साथ फिल्म में नजर आने वाली हैंद्य वहीं श्वेता तिवारी के बेटे का नाम रेयांश हैद्य इसे लेकर वह अभिनव कोहली से कस्टडी बैटल की लड़ाई लड़ रही है।

श्वेता तिवारी का यह 41 वां जन्मदिन होगा. श्वेता तिवारी ने जन्मदिन से पहले इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया तस्वीर शेयर की है. इसमें वह बहुत खूबसूरत लग रही है। श्वेता तिवारी के फैन सोशल मीडिया पर उनके फोटो और वीडियो को काफी लाइक और कमेंट करते हैं।

श्वेता तिवारी काफी ग्लैमरस एक्ट्रेस है.वह अपनी बेटी पलक तिवारी के साथ भी फोटोशूट करा चुकी है. पलक तिवारी और श्वेता तिवारी की जोड़ी फैंस को काफी पसंद आती है. श्वेता तिवारी हाल ही में अस्पताल में भी भर्ती हुई थी. उनके पति ने आरोप लगाया था कि फिगर मेन्टेन करने के चलते ऐसा हुआ है.

समांथा अक्कीनेनी ने नाग चैतन्य से अलग होने के बाद अपनाया नया नाम

समांथा अक्कीनेनी में पति नाग चैतन्य से अलग होने की घोषणा सोशल मीडिया पर की है. अब उन्होंने अपने नए नाम की प्रोफाइलिंग सोशल मीडिया पर की है जो कि बड़ी तेजी से सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है. समांथा अक्कीनेनी फिल्म अभिनेत्री हैद्य उन्होंने हाल ही में पति नाग चैतन्य से तलाक की घोषणा की है.

गौरतलब है कि दोनों के बीच तलाक की खबरें कई महीने से चल रही थीद्य हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी साध रखी थीद्य यह मामला खबरों में तब आया, जब समांथा अक्कीनेनी ने अपने सोशल मीडिया से नाम हटाकर सिर्फ एस रखा थाद्य इसके बाद इस प्रकार की अफवाहें तेज होने लगी थी कि समांथा अक्कीनेनी और नाग चैतन्य के रिश्ते में खटास आ गई है और दोनों जल्द अपने रास्ते बदल सकते हैं. अब हाल ही में समांथा ने इस बात की घोषणा की कि उन्होंने नाग चैतन्य से अलग होने का निर्णय ले लिया है. हालांकि दोनों की दोस्ती बरकरार रहेगीद्य इसके साथ उन्होंने मीडिया और प्रशंसकों का भी आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस कठिन समय में संयम बरता.

अब समांथा ने अपने नाम को बदलकर सिर्फ समांथा रखा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रोफाइल में इसे अपडेट कर दिया है। समांथा अक्कीनेनी को लेकर यह खबर भी आई थी कि तलाक के बाद से वह दुखी हैं और टूट गई है. इससे उबरने के लिए वह अपने काम पर फोकस करना चाहती हैं. नाग चैतन्या जल्द आमिर खान के साथ फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगेद्य इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है. इसके उपलक्ष्य में उन्होंने घर पर एक शानदार पार्टी भी रखी थी. जिसमें समांथा नहीं पहुंची थी.

समांथा फिल्म अभिनेत्री है. वह वेब सीरीज द फॅमिली मैन 2 में भी नजर आई थी. इसमें उनके अलावा मनोज वाजपेयी की अहम भूमिका थी.

Super Dancer Chapter 4 में तब्बू और शिल्पा शेट्टी ने स्टेज पर लगाई आग, दिया धमाकेदार परफॉर्मेंस, वीडियो वायरल

सुपर डांसर चैप्टर 4 के एपिसोड में तब्बू और शिल्पा शेट्टी साथ नजर आई है. दोनों ने मंच पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दिया है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है. दरअसल सुपर डांसर चैप्टर 4 का फिनाले वीक शुरू हो गया है. यह 5 एपिसोड का होगाद्य इसमें हर टॉप फाइव कंटेस्टेंट ट्रॉफी के लिए एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेगाद्य सुपर डांसर चैप्टर 4 का सेमीफाइनल स्टेज पर पहुंच गया है. इसमें 5 प्रतियोगी शामिल है. इनके नाम फ्लोरिना गोगोई, पृथ्वीराज कोंगरी, संचित चनन, ईशा मिश्रा और निरजा तिवारी शामिल है. सभी एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं ताकि वह यह शो जीत सकेद्य इसे नाचपन का महा महोत्सव नाम दिया गया है.

आज के एपिसोड में शिल्पा शेट्टी के साथ तब्बू शानदार डांस करती हैं. आज के एपिसोड में शिल्पा शेट्टी के साथ तब्बू नजर आती है जो कि स्टेज पर धमाकेदार परफॉर्मेंस करती हैद्य शो के निर्माताओं ने नया प्रोमो जारी किया है. इसमें रुक-रुक-रुक गाने पर दोनों का डांस करते हुए देखा जा सकता है.शिल्पा शेट्टी ने पीले रंग की साड़ी पहन रखी है. वहीं तब्बू ने चमकदार साड़ी पहन रखी है. चैनल ने वीडियो शेयर कर लिखा, सुपर डांसर के सुपर 5 एपिसोड को सुपर डुपर हिट बनाने आ रही है तब्बू.

शिल्पा शेट्टी ने इसके पहले एक वीडियो शेयर किया था. इसमें वह तब्बू के साथ नजर आ रही थी. वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था, रुक-रुक-रुक जल्द कुछ कुक होने वाला है. मैं आपको शो पर पाकर बहुत खुश हूं. तब्बू इस मौके पर होली होली गाने पर भी डांस करेंगी.

पिछली रात शो के टॉप 5 प्रतियोगियों की घोषणा कर दी गई है. सुपर डांसर चैप्टर फोर के विनर की घोषणा 52 घंटे की वोटिंग के आधार पर होगा. सुपर डांसर चैप्टर 4 एक लोकप्रिय शो है. इस शो को काफी पसंद किया जाता है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रंधीर कुमार ने स्वास्तिक क्रियेशन 19- डी.एस.आई.डी.सी शेड स्कीम, 3 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर मुद्रित अपने कार्यालय 7ए/48 चितरंजन पार्क अपोजिट बिपिन चंद मेमोरियल हॉल, साउथ दिल्ली-110019 से प्रकाशित किया। समाचार पत्र में संपादकीय के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री से प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली मान्य होगा। DCP Licensing No. F2 (D-3) Press/2021